हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, सोमवार 21 जुलाई 2025

तापमान

अधिकतम 30.5 डिग्री

न्यूनतम 22.4 डिग्री

12 बहू-बेटी के साथ बेटे चैतन्य से मिलने ईडी कार्यालय...

12 राजिम रूट पर ट्रेन बड़ी सुविधा, पर दिक्कत ...

राजधानी में सावन की पहली झमाझम, आधी रात से सुबह तक चला दौर, सड़कें लबालब

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सावन लगने के 10 दिन बाद राजधानी में झमाझम बारिश हुई। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात 1 बजे से शुरू हुई बारिश सुबह 8 बजे तक जारी रही। झमाझम बरसात की वजह से शहर की कई सड़कें पानी से लबालब हो गईं और मौसम विभाग ने 47.8 मिमी. वर्षा का आंकड़ा दर्ज किया। आने वाले दिनों में मानसून की गतिविधि और बढ़ने की संभावना है। रायपुर जिले में अब तक 422 मिमी. बारिश हो चुकी है, जो जुलाई का कोटा लगभग पूरा कर चुका है। रायपुर में बारिश का दौर सावन की शुरुआत होने के बाद थम गया था और कभी-कभी बूंदाबांदी की स्थिति बनती रही। बरसात बंद होने की वजह से उमस ने हलाकान करना शुरू कर दिया और दिन के साथ रात में भी उमस भरी बेचैनी लोगों को परेशान करती रही।शनिवार को दोपहर मौसम के मिजाज में बदलाव हुआ था और रात होने के बाद झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया, जो देर रात तक चलता रहा। बारिश इतनी तेज थी कि शहर की कई सड़कों और मोहल्ले में पानी भर गया, जो सुबह-सुबह होते-होते बाहर निकल गया।दिनभर उमस भरी गर्मी से राहत मिली, मगर और अधिकतम तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में मानसून की गतिविधि में विस्तार होने की संभावना है। अभी मानसून द्रोणिका माध्य समुद्र तल पर पश्चिमी ⏭शेष पेज 11 पर

सुबह साढ़े आठ बजे तक 47.8 मिमी. वर्षा दर्ज, तीव्रता और बढ़ने की संभावना

खेत में बिजली गिरी, दो की मौत कई घायल

रायपुर में शनिवार को बिजली गिरने से एक मौत हो गई। रविवार को बलरामपुर के शंकरगढ़ के ग्राम बेलसर में गाज गिरने से दो ने दम तोड़ दिया। मनेशवर और सुवेश्वर नागरिया अपने साथियों के साथ खेत में काम कर रहे थे, इसी दौरान आकाशीय बिजली गिरी। काम करने वाले अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में दाखिल किया गया है।

इन इलाकों में हुई बारिश

मौसम विभाग के अनुसार, पिछले चौबीस घंटे में नानगुरर में 11, जगदलपुर में 10, सुकमा में 9, मालखरौदा में 8, ओरछा, लोहंडीगुड़ा में 7 सेमी, कवर्धा, जैजैपुर, तोकपाल, अंबिकापुर, कुटरू, नवागढ़ में 6 सेमी., भनपुरी, चंद्रपुर, रायपुर, बम्हनीडीह, कुकरेल, बीजापुर में 5 सेमी. तक बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा अन्य दो दर्जन से ज्यादा स्टेशनों में हल्की से मध्यम वर्षा रिकार्ड की गई।

खबर संक्षेप

वृद्धा का बैग छीनकर बदमाश बाइक से फरार

रायपुर। गंज थाने में एक वृद्ध महिला ने बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों के खिलाफ बैग लूटकर भागने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बैग में तीन हजार रुपए नकदी समेत 20 हजार रुपए के दो मोबाइल थे। भनपुरी निवासी एस. हारती ने बैग लूटने की शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया कि शनिवार दोपहर वह अपनी सास के साथ अस्पताल जा रही थीं। इस दौरान फाफाडीह के पास बाइक सवार दो बदमाश एस. हारती की सास के करीब पहुंचे और उसे धक्का देकर हाथ में रखा बैग छीनकर फरार हो गए।

चौकीदार से मारपीट कर 90 हजार का सामान पार

रायपुर। राजेंद्र नगर थाने में एक स्कूल के प्रिंसिपल ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ निर्माणाधीन स्कूल के चौकीदार से मारपीट कर 90 हजार रुपए कीमत की वायर तथा अन्य इलेक्ट्रिक सामान चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। वेदास गुरुकुलम के प्रिंसिपल वात्सल्य मूर्ति ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। स्कूल प्रिंसिपल ने पुलिस को बताया कि अमलीडीह में स्कूल निर्माण कार्य किया जा रहा है। इस दौरान बदमाश 17 जुलाई को देर रात स्कूल में प्रवेश कर चौकीदार से मारपीट कर वायर तथा इलेक्ट्रिक सामान चोरी कर ले गए।

मंदिर की दानपेटी से पांच बार रकम चोरी

रायपुर। टिकरापारा थाना क्षेत्र स्थित मठपुरैना में अज्ञात चोर ने मंदिर की दान पेटी से रुपए चोरी कर लिए। चोर ने मंदिर की दानपेटी से पांच बार में हजारों रुपए चोरी किए हैं। पुलिस के अनुसार, मंदिर प्रशासन द्वारा अब तक थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई है। जानकारी के मुताबिक, हल्का तालाब स्थित हनुमान मंदिर की दानपेटी से अज्ञात बदमाश ने रुपए चोरी किए हैं। घटना का सीसीटीवी फूटेज सामने आया है, जिसमें चोर पांच अलग-अलग बार मंदिर में घुसकर दानपेटी से रुपए चोरी करते दिख रहा है।

जोमैटो डिलीवरी ब्वॉय से ओवरटेक कर मारपीट

रायपुर। टिकरापारा थाना में जोमैटो में पार्सल सप्लाई का काम करने वाला एक युवक ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बोरियाखुर्द निवासी राज ठाकरे ने मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। राज ने पुलिस को बताया कि वह अपनी बाइक से जा रहा था। संतोषी नगर के पास बाइक सवार लड़कों ने तेज रफ्तार बाइक चलाते हुए उसे ओवरटेक किया।

सार्वजनिक जगह शराब पीते दर्जनभर नशेड़ी गिरफ्तार

रायपुर। खमतराई पुलिस ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए सार्वजनिक स्थल पर शराब पीने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई करते हुए एक दर्जन शराबियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम करने स्थानीय लोगों की शिकायत पर उक्त कार्रवाई की है।

नए नियमों से हुई व्यापम की पहली परीक्षा, सभी परीक्षा केंद्रों में लगाए गए थे जैमर

पूरी बांह में पहुंचे अभ्यर्थी तो कपड़े बदलने घर भेजा, 9.45 के बाद पहुंचे 20 परीक्षार्थियों को 'नो एंट्री', उतरवाए गहने-घड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रविवार को नए नियमों के साथ व्यापम की पहली भर्ती परीक्षा हुई। 20 जुलाई को जल संसाधन विभाग के अंतर्गत उप अभियंता सिविल तथा उप अभियंता विद्युत/यांत्रिकी परीक्षा का आयोजन हुआ। राजधानी रायपुर में इसके लिए 18 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। रायपुर सहित प्रदेश के सभी जिलों में बनाए गए परीक्षा केंद्रों के नजारे बदले-बदले रहे। पूरी बांह पहनकर पहने कई अभ्यर्थियों को घर भेजा गया, जहां से वे पूरी बांह के कपड़े पहनकर आए। चूंकि ये विद्यार्थी परीक्षा प्रारंभ होने के दो घंटे पहले ही केंद्र पहुंच गए थे, इसलिए इन्हें विशेष दिक्कत नहीं हुई। कान की बालियां सहित सभी तरह के गहने उतरवाए गए। घड़ी सहित इस तरह के अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस भी पहनकर जाने की अनुमति नहीं रही। सभी परीक्षा केंद्रों में जैमर लगाए गए थे, ताकि किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण कार्य ना करे।

यह पहली बार रहा, जब किसी परीक्षा को लेकर व्यापम द्वारा इस स्तर पर कड़ाई बरती गई। पिछले रविवार को पीडब्ल्यूडी विभाग के अंतर्गत हुई इंजीनियर भर्ती परीक्षा के बाद व्यापम द्वारा नियमों में बदलाव किया गया था। नए नियमों के प्रति परीक्षार्थियों को पहले ही अवगत कराते हुए इसका पालन करने निर्देश दिए गए थे। इसके बाद भी कई परीक्षार्थियों द्वारा कोताही बरती गई। खबर लिखे जाने तक रविवार को हुई भर्ती परीक्षा में किसी प्रकार का नकल प्रकरण अथवा किसी गड़बड़ी की शिकायत नहीं आई है।

21 हजार 700 ने किया था आवेदन, इनमें से 73 प्रतिशत पहुंचे परीक्षा दिलाने

हरिभूमि लाइव

■ इंजीनियर भर्ती परीक्षा बिलासपुर नकल प्रकरण के बाद बदला रहा माहौल

9.45 के बाद पहुंचे अभ्यर्थी

यह परीक्षा सुबह पाली में प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक संपन्न हुई। सुरक्षा जांच के लिए परीक्षार्थियों को केंद्र में 2 घंटे पूर्व पहुंचने निर्देश दिए गए थे। व्यापम द्वारा स्पष्ट किया गया था कि 9.45 को मुख्य द्वार बंद कर दिए जाएंगे। इसके बाद भी कई परीक्षार्थी केंद्र में विलंब से पहुंचे। प्रत्येक केंद्र में ऐसे एक-दो मामले सामने आए। राजधानी रायपुर में लगभग 20 परीक्षार्थी ऐसे रहे, जिन्हें 9.45 के बाद पहुंचने के कारण प्रवेश नहीं दिया गया। परीक्षार्थियों की दो लेयर में सुरक्षा जांच हुई। मेटल डिटेक्टर से भी सभी कैंडिडेट्स की तलाशी ली गई, ताकि किसी भी तरह के नकल डिवाइस को पकड़ा जा सके।

121 पदों पर होगी नियुक्ति

अन्य भर्ती परीक्षाओं की तुलना में उक्त भर्ती परीक्षा में उपस्थिति का प्रतिशत बेहतरह रहा। जल संसाधन विभाग में रिक्त इंजीनियर के 121 पदों पर इस भर्ती परीक्षा के जरिए नियुक्तियां की जानी है। इसके लिए व्यापम को 21 हजार 700 आवेदन मिले थे। इनमें से 73 प्रतिशत अभ्यर्थी परीक्षा दिलाने पहुंचे। बारिश के बाद भी अन्य भर्ती परीक्षाओं की तुलना में उक्त भर्ती परीक्षा में उपस्थिति का स्तर अच्छा रहा।

सभी केंद्रों में जैमर

हमने सभी केंद्रों में जैमर लगाए थे। अभ्यर्थियों को नए नियमों की सूचना पहले ही दे दी गई थी। नकल प्रकरण या इस तरह की कोई अवांछित स्थिति निर्मित नहीं हुई।

- केदार पटेल
सह नियंत्रक, व्यापम

रोचक रहे सवाल

परीक्षार्थियों से 100 सवाल पूछे गए। इनमें सामान्य ज्ञान के सवालों के साथ-साथ तकनीकी सवाल भी शामिल रहे। सामान्य ज्ञान के अंतर्गत पूछे गए सवाल जहां रोचक रहे वहीं तकनीकी सेक्शन के अंतर्गत भी कई प्रश्न रोचक रहे। कुछ सवाल टाइम टेकिंग भी रहे, जिन्हें हल करने में अभ्यर्थियों को अन्य सवालों की तुलना में अधिक वक्त देना पड़ा। इस तरह के सवाल-

- कोंडागांव में लगने वाला भंगाराम मड़ई मेला का आयोजन किस माह में होता है?
- गोदना का एक प्रकार देवारी शरीर के किस हिस्से में बनाया जाता है?
- प्रिंटिंग और इमेजिंग में डीपीआई का फुल फॉर्म क्या होता है?
- असहयोग आंदोलन के समय किसने राय बहादुर की उपाधि त्याग दी थी?
- देश के किसी कवि-साहित्यकार को 59वां ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया गया है?
- एक दिन में घड़ी की सुइयां कितने बार मिलती हैं?
- 42वें संविधान संशोधन में कौन से दो शब्द जोड़े गए हैं?
- कौन सा वर्ष लीप वर्ष नहीं है?
- कर्मा तिहार की विशेषताएं।
- छात्रों के अंक देकर उनका मेरिट लिस्ट तैयार करने कहा गया।
- इंडक्शन मोटर के स्टार्टिंग टॉर्क की शर्त, तीन फेज इंडक्शन मशीन, पोल सहित अन्य तकनीकी सवाल पूछे गए।

दो काउंसिलिंग में नहीं भरी तो प्रबंधन कोटे में तब्दील होंगी राज्य कोटे की एमबीबीएस सीटें

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

निजी मेडिकल कॉलेज में स्टेट कोटे की सीट पर अगर दो राउंड के बाद भी एडमिशन नहीं हुआ तो उसे मैनेजमेंट कोटे में तब्दील कर दिया जाएगा। राज्य में चार निजी मेडिकल कॉलेजों में स्टेट कोटे की 235 सीटें हैं, सीबीआई रेड के बाद एक कॉलेज की 64 सीटों का नुकसान हो चुका है। प्रायवेट मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के लिए 7.45 लाख से 7.99 लाख रुपए वार्षिक फीस देनी होगी और शासकीय कॉलेज में करीब 50 हजार के खर्च से काम पूरा हो जाएगा।

■ निजी मेडिकल कॉलेजों में देनी होगी 7.45 से 7.99 लाख की वार्षिक फीस

चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा इस माह के अंत से शुरू होने वाली काउंसिलिंग के लिए कुछ संशोधन के साथ नियम जारी किया है। इनमें शासकीय सीटों प्रबंधन कोटे में परिवर्तित होना भी शामिल है। राज्य के चार निजी कॉलेजों में स्टेट कोटे की कुल 235 सीटें है, जिस पर दो राउंड तक एडमिशन दिया जाएगा। इसके बाद भी अगर सीटें खाली रह जाती हैं तो उसे कॉलेज प्रबंधन को वापस कर दिया जाएगा और उस आधार पर एडमिशन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। निजी कॉलेजों में एडमिशन के लिए ⏭शेष पेज 11 पर

मूल निवासी को प्राथमिकता

निजी मेडिकल कॉलेज के गैरप्रवासी भारतीय नियतांश सीटों पर एडमिशन के नियम में मामूली बदलाव किया गया है। संशोधित नियम के अनुसार दो राउंड की काउंसिलिंग के बाद अगर इस कोटे की सीटें बाकी रहती हैं तो उसमें छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों को एडमिशन के लिए प्राथमिकता दी जाएगी। हालांकि एनआरआई कोटे की सीट एक से सवा करोड़ की फीस होने के बाद भी खाली नहीं बचती।

मेरिट लिस्ट का इंतजार

काउंसिलिंग की शुरुआत के लिए नीट 2025 की सीजी मेरिट लिस्ट का इंतजार किया जा रहा है। चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा इसके लिए कुछ प्रतिनिधियों को दिल्ली भेजा जाएगा। प्राप्त परिणाम के आधार प्रदेश की प्रावीण्य सूची जारी की जाएगी और इस आधार पर सीटों का आवंटन किया जाएगा। मेरिट लिस्ट में शामिल शुरुआती नामों को शासकीय मेडिकल कॉलेज रायपुर का आवंटन किया जाएगा।

ग्रेड सुधारने रविवि ने रद्द कर दी कर्मचारियों की छुट्टी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि ने ग्रेड सुधारने अपने अधिकारियों-कर्मचारियों की छुट्टियां ही रद्द कर दी हैं। शनिवार और रविवार को मिलने वाले साप्ताहिक अवकाश के साथ ही पर्व सहित सभी तरह के अवकाश भी रद्द कर दिए गए हैं। इन दिनों में भी अधिकारियों-कर्मचारियों को दफ्तर पहुंचकर हाजिरी लगानी होगी और अन्य दिनों की तरह कार्य करना होगा। आदेश के बाद रविवार को भी विवि के प्रशासनिक भवन में अधिकारी-कर्मचारी कार्य करते हुए नजर आए। दरअसल, जुलाई-अगस्त माह ⏭शेष पेज 11 पर

■ नैक ग्रेडिंग तक कोई भी कर्मचारी नहीं ले सकेंगे अवकाश, रविवार को भी बुलाया गया कार्यालय

होगी अनुशासनात्मक कार्रवाही

रविवि ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी अधिकारी अथवा कर्मचारी द्वारा उक्त आदेश का उल्लंघन किया जाता है, तो उन पर गंभीर कार्रवाई की जाएगी। किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनुपस्थिति को गंभीरता से लिया जाएगा। यह पहली बार है जब पांच वर्ष पूर्ण होने के पहले ही नैक टीम रविवि में दौरा करने आ रही है। दो वर्ष पूर्व हुई ग्रेडिंग में रविवि को बी ग्रेड मिला था। इसके पूर्व रविवि को ए ग्रेड हासिल था। प्रदेश का सबसे बड़ा विवि होने के बाद भी अपना ग्रेड नहीं बचा सकने के कारण विवि को आलोचना का सामना करना पड़ा था। अब पुरानी ग्रेड को हासिल करने विवि नए सिरे से प्रयास कर रहा है।

टपक रही टीबी अस्पताल की छत, नए भवन में शिफ्टिंग की अब तक अनुमति नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

■ कालीबाड़ी का सरकारी अस्पताल बेहाल, मरीजों के लिए बैठने तक की व्यवस्था नहीं

■ रोजाना 50 से ज्यादा की ओपीडी, उतने ही अस्पताल स्टाफ, दवा वितरण भी यहीं से

टीबी मरीजों की जांच के बाद इलाज करने वाला राजधानी का शासकीय टीबी अस्पताल खुद बीमार होने लगा है। परिसर में 70 लाख के खर्च से बनी बड़ी बिल्डिंग होने के बाद भी मरीजों का इलाज पुराने और जर्जर भवन में किया जा रहा है। केवल विभागीय सहमति नहीं मिलने की वजह से अस्पताल नए भवन में शिफ्ट नहीं हो पाया है। पुराने भवन में मरीजों के साथ चिकित्सकीय स्टाफ के बैठने के लायक पर्याप्त व्यवस्था नहीं है।

कालीबाड़ी चौक स्थित जिला क्षय नियंत्रण केंद्र में जिलेभर से आने वाले टीबी मरीजों की जांच के साथ उन्हें दवा वितरण भी किया जाता है। यहां होने वाली ओपीडी में नियमित रूप से 50 से ज्यादा मरीज पहुंचते हैं और उनकी जांच तथा इलाज की प्रक्रिया के लिए उतना ही स्टाफ वहां मौजूद रहता है। सूत्रों के अनुसार, भवन इतना पुराना हो चुका है कि खपरैल होने ⏭शेष पेज 11 पर

हरिभूमि सरोकार

जिला मलेरिया ऑफिस भी

कालीबाड़ी के इस टीबी अस्पताल में जिला मलेरिया कार्यालय का भी संचालन किया जाता है। यहां से जिलेभर में मलेरिया, डेंगू सहित मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए योजना बनाकर कार्य किया जाता है। मलेरिया नियंत्रण कार्यालय जिस भवन में संचालित होता है, उसका कुछ साल पहले ही रेनोवेशन कराकर काम चलाया जा रहा है।

वाहन भी कबाड़ में डंप

जिला क्षय नियंत्रण केंद्र के पिछले हिस्से में एंबुलेंस सेवा के लिए उपयोग किए जाने वाले सरकारी वाहन कबाड़ में डंप पड़े हुए हैं। ठेका एजेंसी बदलने के बाद पुराने हो चुके सरकारी वाहनों को विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में डंप कर दिया गया था। इनमें तीन से चार गाड़ियां टीबी अस्पताल के पिछले हिस्से में कबाड़ हो रही हैं।

जल्द करेंगे शिफ्टिंग

मरीजों की सुविधा के लिए हास्पिटल को शीघ्र ही नए भवन में शिफ्ट किया जाएगा। इसके संबंध में संबंधित स्टाफ को निर्देश दिए गए हैं।

- डॉ. मिथिलेश चौधरी
सीएमएचओ, रायपुर

युवक से मारपीट, बचाने गए परिजन-दोस्तों को भी पीटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पंडरी क्षेत्र के राजातालाब इलाके में एक युवक के साथ देर रात मारपीट का मामला सामने आया। पीड़ित युवक अभिषेक सिंह की मां ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि बीती रात करीब 1 बजे उन्होंने अपने बेटे को कॉल किया, जिसे कान्हा नामक युवक ने उठाया और बताया कि कुछ लोग अभिषेक के साथ मारपीट कर रहे हैं। मां ने तुरंत अपने पति अनिल सिंह और बेटे के दोस्त अमान को मौके पर भेजा। जब दोनों पहुंचे तो देखा कि अभिषेक और कान्हा के साथ सीमा डेविड के घर के सामने कुछ युवक मारपीट कर रहे थे।

बीचबचाव करने पर हमलावरों ने अमान के साथ भी मारपीट की। हमले में अभिषेक को आंख, सिर और दोनों कलाई में चोटें आईं, जबकि कान्हा को गले, पीठ पर और अमान को सिर पर गंभीर चोट लगी, जिससे खून बहने लगा। घटना के बाद अभिषेक घर पहुंचा और पूरी जानकारी परिजनों को दी। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया है कि हमलावरों में पिकी सोलोमन, सनी, निखिल ⏭शेष पेज 11 पर

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को

अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

आज से प्रारंभ

SAVE
UN-LIMITED

UP TO 50 % LESS

प्रदेश का सर्वाधिक विश्वसनीय सेल जहाँ पर आप
सुप्रसिद्ध मिलों की सूटिंग्स, शर्टिंग्स, साड़ियाँ, मैचिंग्स
ड्रेस मटेरियल्स, सलवार सूट्स, बेड शीट्स, टॉवेल, नेपकीन
आदि पर 50% तक छूट प्राप्त कर सकते हैं।

महेन्द्र कम्पनी
मोदी सन्स

मालवीय रोड, रायपुर (छ.ग.) फोन: 4049406/7/8

Design by DAD 4099504

खबर संक्षेप

सर्व सिद्ध हनुमान मंदिर में आज होगा रुद्राभिषेक

रायपुर। वाटर फिल्टर प्लांट परिसर स्थित सर्व सिद्ध हनुमान मंदिर में सावन सोमवार के उपलक्ष्य में सोमवार को ब्रम्ह मुहूर्त से रुद्राभिषेक किया जाएगा। उल्लेखनीय है मंदिर में एक माह का श्रीरामचरितमानस का अखंड पाठ जारी है। इस प्रसंग में प्रतिदिन मानस के उत्तरकांड में लिखित रुद्राष्टक का विशेष पाठ किया जाता है। साथ ही सावन आमावश्य पर विशेष पूजा मंदिर में की जाएगी। मंदिर समिति के अध्यक्ष मोहनलाल साहू, सोमनाथ निषाद ने बताया कि जलाभिषेक के लिए जाने वाले कांवड़ियों के रा विश्राम की व्यवस्था मंदिर परिसर में की गई है। दीनदयाल साहू, राजकुमार धीवर, परमानंद पटेल, किशोर गुरुजी, बाबूलाल साहू, मुक्ति साहू, भोजराज साहू का मानस पाठ में योगदान मिला रहा है।

किसान की गाज की चपेट में आने से मौत

आरंग। ग्राम रीवा के किसान पंचू राम साहू पिता बरातू राम साहू उम्र 55 वर्ष की खेत में काम करते समय आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। यह दुखद घटना तब हुई जब किसान अपने खेत में धान चलाई का कार्य कर रहा था। अचानक मौसम बदला और तेज गरज-चमक के साथ हुई आकाशीय बिजली किसान पर गिर पड़ी, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। जनपद पंचायत आरंग की सभापति कृष्णा महेश साहू पीड़ित किसान के गांव पहुँची और शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने संबंधित पटवारी को प्रकरण तैयार करने का निर्देशित किया ताकि मुआवजा शीघ्र मिल सके। सरपंच घसिया राम साहू, उपसरपंच सुरजकुमार साहू अनेक ग्रामीणों ने भी मृतक किसान के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। योगदान मिला रहा है।

शिवमहापुराण की कथा 24 से 28 जुलाई तक

आरंग। नर्मदेश्वरनाथ महादेव भोले भण्डारी अवघड़ दानी की असीम कृपा से पं. दीनदयाल नवदुर्गा उत्सव समिति एवं समस्त कालोनी वासी के तत्वाधान में दीनदयाल कालोनी आरंग में 24 से 28 जुलाई तक पंच दिवसीय संगीतमय शिव महापुराण का आयोजन रखा गया है। जिसके कथावाचक पं. संतोष महराज रायपुर वाले होगें। कथा का समय दोपहर 2 बजे से शिव ईच्छा तक है। आयोजन में प्रथम दिवस 11 बजे कलश यात्रा के पश्चात पुराण महात्म्य, देवराज मुक्ति, चंचुला प्रसंग, द्वितीय दिवस नारद मोह सती चरित्र, पितर कन्या को श्राप, उमा प्राकट्य तृतीय दिवस तारकासुर जन्म सप्त ऋषि द्वारा परीक्षा शिव पार्वती विवाह, चतुर्थ दिवस ब्रम्हा मोह, कार्तिकेय गणेश जन्म, जालन्धर वध व बारह ज्योतिर्लिंग कथा, पंचम दिवस सम्पूर्ण पुराण सार बिल्व पत्र, समीपत्र, पानपत्र उत्पति, हवन, सहस्त्रधारा एवं पुर्णाहुति के साथ कथा का समापन होगा। उक्त जानकारी नवदुर्गा उत्सव समिति के अध्यक्ष अशोक साहू ने दी।

अपराध पर नकेल कसने सिलतरा पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई, असामाजिक तत्वों में मचा हड़कंप

पुलिस ने चाकूबाजों का जुलूस निकाला सुपरवाइजर का हमलावर हुआ गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭| धरसीवां

सिलतरा में नए चौकी प्रभारी राजेंद्र कंवर के नेतृत्व में सिलतरा पुलिस ने अपराधियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है. सांकरा गांव में हुई चाकूबाजी की घटनाओं में शामिल फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने उनका सरेआम जुलूस निकाला, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया. पुलिस ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि या तो अपराधी सुधर जाएं, जेल जाएं या फिर यह क्षेत्र छोड़ दें। पुलिस की इस अदभुत कार्य से जनता में ख़ुशी की लहर है। बात दे कि नए चौकी प्रभारी के पदभार संभालते ही सिलतरा पुलिस ने अपराधियों पर नकेल कसनी शुरू कर दी है। क्षेत्र में बढ़ते अपराधों पर लगाम लगाने के लिए पुलिस ने न सिर्फ फरार गुंडों को धर दबोचा है, बल्कि उन्हें सरेआम जुलूस निकालकर सबक भी सिखाया है, ताकि समाज में एक कड़ा संदेश जाए।

सांकरा चाकूबाजी पर त्वरित एक्शन

सांकरा गांव में हुई एक दिल दहला देने वाली चाकूबाजी की घटना से जुड़ी है. सिलतरा चौकी ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि पिछले महीने कुछ बदमाशों ने एक युवक का पीछा कर उसके घर में घुसकर चाकू से हमला किया था, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था. इस मामले में पहले एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया था, लेकिन दो अन्य मुख्य आरोपी फरार चल रहे थे।

या तो सुधरेंगे या जेल में रहेंगे, या क्षेत्र छोड़ेंगे

चौकी प्रभारी कंवर ने अपराधियों को चेतावनी देते हुए साफ शब्दों में कहा कि नागरिकों की सुरक्षा ही पुलिस का सबसे पहला कर्तव्य है. उन्होंने जोर देकर कहा कि औद्योगिक क्षेत्र से सटे गांवों में रहने वाले ग्रामीण मजदूर और व्यापारी बिना किसी डर के अपना जीवन और व्यवसाय चला सकें, यह सुनिश्चित किया जाएगा।

मुफ्त शराब न देने पर जानलेवा हमला

गिरफ्तार किए गए आरोपियों का सीधा संबंध एक महीने पहले की उस घटना से है, जब मुफ्त में शराब न देने पर एक शराब दुकान के सुपरवाइजर पर उसके घर में घुसकर चाकू से जानलेवा हमला किया गया था. इस घटना के बाद से ही आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर थे। आखिरकार इन आरोपियों को पकड़ा गया और पुलिस ने ग्राम पंचायत सांकरा में उनका सार्वजनिक जुलूस निकाला।

डा. बघेल की जयंती समारोह में मेधावी बच्चों का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭| सिलयारी

डॉ.खूबचंद बघेल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिलयारी में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी समाजसेवी डॉक्टर खूबचंद बघेल जी जो कि छत्तीसगढ़ राज्य के प्रथम स्वप्न दृष्टा एवं विद्यालय के संस्थापक रहे हैं की 125वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में डॉक्टर खूबचंद बघेल के पौत्र श्री शेषनारायण बघेल मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए साथ ही श्रीकांत बघेल जी की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम सरस्वती माता की पूजा अर्चना कर डॉक्टर खूबचंद बघेल जी की छायाचित्र मे गुलाल ,तिलक एवं पुष्प माला अर्पित कर पूजा अर्चना की गई। साथ में उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया । तदुपरांत समस्त पदाधिकारीयों का स्वागत श्रीफल एवं साल से स्वागत कर भाषण का कार्यक्रम किया गया और साथ ही 2023 -24 और 2024- 25 साल के विभिन्न कक्षाओं में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले एवं 2024 -25 की विद्यालय में साल भर की संपूर्ण गतिविधियों के लिए विद्यालय के बच्चों को प्रतीक चिन्ह ओर पुरस्कार वितरण कर निरंतर आगे बढ़कर शाला को गौरवांवित करने के लिए प्रेरित किया गया।

सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष किया

कार्यक्रम में स्वागत भाषण स्कूल के प्राचार्य वाय. के .वर्मा सर ,शाला विकास एवं प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अशोक साहू और अतिथियों द्वारा अपने उद्बोधन में डॉक्टर खूबचंद बघेल जी के किए गए कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उनके जन्म से लेकर उनके पढ़ाई , जन सेवा, समाज से लेकर समाज में फैली कुरितियों के खिलाफ संघर्ष एवं छत्तीसगढ़ राज्य की सोच एवं अन्य विषयों पर उनके जीवन चरित्रार्थों का वर्णन कर उनके सिद्धांतों पर चलने के लिए बच्चों को प्रेरणा देकर संबोधित किया गया।

शिक्षा में गुणात्मक और रचनात्मक सुधार टीम वर्क से संभव : हिमांशु

हरिभूमि न्यूज ⏭| तिल्दा नेवरा

विकास खंड तिल्दा नेवरा में शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक एवं रचनात्मक विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन संपन्न हुआ।इसके पूर्व शासकीय हाई स्कूल तुलसी के प्राचार्य एस पी वर्मा के सेवानिवृत कार्यक्रम में तिल्दा विकास खंड के समस्त प्राचार्य एवं समन्वयक गण उपस्थित होकर भाव पूर्ण विदाई दिया गया। एस पी वर्मा के द्वारा स्नेह सम्मेलन एवं प्रीति भोज का आयोजन किया गया था। जिसमें जिला रायपुर के शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारतीय, डी एम सी के एस पटले,ए डी पी ओ श्रीमती इंदिरा गांधी विशेष रूप से शिरकत किए। जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारतीय ने तिल्दा विकास खंड के समस्त प्राचार्यों एवं समन्वयकों का कार्यशाला आयोजित था जिसमें बतौर मुख्य अतिथि कार्यशाला को लगातार ढाई घंटे तक संबोधित करते हुए बिंदु वार बात रखी।शिक्षा अधिकारी ने कहा कि शिक्षा विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों को टीम वर्क के साथ ही पूरा किया जा सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में कैसे गुणात्मक एवं रचनात्मक सुधार ला सकते हैं सविस्तार जानकारी दिया।यही नहीं अपितु प्राचार्यों एवं समन्वयकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समाधान पूर्वक हल किया। कार्यशाला प्रारंभ हो इनके पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी का स्वागत विकास खंड तिल्दा के शिक्षा अधिकारी आर पी दास ने किया, डी एम सी पटले का स्वागत सहायक विकास खंड शिक्षा अधिकारी एल के जाहिरे ने किया, बी आर सी एस के शर्मा में ये डी पी ओ श्रीमती इंदिरा गांधी का स्वागत किया। प्राचार्य प्रतिनिधि के रुप में श्रीमती चित्ररेखा ध्रुव एवं सन्तोष शर्मा में किया।समन्वयक संघ के अध्यक्ष कैलाश बघेल ने अभिनन्दन किया। उक्त कार्यशाला का मुख्य विषय प्रोजेक्ट उत्कर्ष,हरियर पाठशाला, निपुण भारत अंतर्गत कार्यक्रम पढ़े रायपुर लिखे रायपुर, कैरियर मार्गदर्शन, विजय भव ,प्रोजेक्ट घंटी,यू शेप, कैरियर गुरु, पुस्तकालय, प्रोजेक्ट आंगन,प्रोजेक्ट छांव,प्रोजेक्ट उद्घोष,पुस्तक स्कैनिंग आदि विषयों पर आधारित था।

महादेव प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की और शोभायात्रा निकाली

सिलयारी। औद्योगिक क्षेत्र सांकरा में वार्ड 20 जेके नगर में महादेव मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के लिए महिलाओं एवं बच्चों द्वारा बड़ी संख्या में कलश यात्रा का आयोजन किया गया यह धार्मिक मान्यता के अनुसार कलशयात्रा मंदिर में शिवलिंग की प्राण-प्रतिष्ठा से पहले, कलश यात्रा निकालकर पवित्र जल से मंदिर को शुद्ध किया जाता है और देवताओं का आह्वान किया जाता है,मंदिर से शिवलिंग की स्थापना से पहले निकाली गई है। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में भक्तजन शामिल हुए और धार्मिक उत्साह के साथ सांकरा स्थित बाबा धाम सरोवर में जल भरकर नवनिर्मित मंदिर तक पहुंचे कलश यात्रा में बड़ी संख्या में भक्तजन शामिल हुए, जिन्होंने हर-हर महादेव के जयकारे लगाए यह कलश यात्रा एक महत्वपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान है जो मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा से पहले की जाती है। इससे मंदिर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और देवता की स्थापना के लिए वातावरण तैयार होता है।कलश यात्रा के बाद, मंदिर में शिवलिंग की प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी और फिर भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

आत्मानंद विद्यालय के संविदा शिक्षकों ने नियमितीकरण की मांग पर किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭| आरंग

छत्तीसगढ़ के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में कार्यरत संविदा शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने छत्तीसगढ़ स्वामी आत्मानंद संविदा शिक्षक एवं कर्मचारी संघ के बैनर तले एक दिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। यह धरना संघ के संरक्षक तापस रॉय प्रदेश अध्यक्ष दुर्योधन यादव के मार्गदर्शन मे प्रदेश के सभी जिलों मे किया जा रहा है। संघ ने अपनी दो सूत्रीय प्रमुख मांगों को दोहराया। पहली मांग नियमित वेतन वृद्धि एवं वेतनमान निर्धारण की है, जिसमें शिक्षकों ने बताया कि वे विगत कई वर्षों से पूर्णकालिक सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उन्हें न तो वेतनमान मिला है और न ही कोई वार्षिक वेतनवृद्धि सुनिश्चित की गई है। दूसरी मांग शिक्षा विभाग में समावेशन (संविलियन) एवं नियमितीकरण की है।

संविदा शिक्षकों एवं कर्मचारियों को शिक्षा विभाग में समाहित करें

संघ ने मांग की है कि सभी संविदा शिक्षकों एवं कर्मचारियों को शिक्षा विभाग में समाहित कर नियमित किया जाए, जिससे उन्हें सेवा सुरक्षा मिल सके और वे बिना भय के प्रदेश की शिक्षा गुणवत्ता में योगदान दे सकें। संघ ने यह भी घोषणा की है कि यदि समय रहते इन मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो राजधानी रायपुर में प्रदेश स्तरीय अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें पूरे छत्तीसगढ़ से आत्मानंद के संविदा शिक्षक-कर्मचारी शामिल होंगे। यह आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण और न्यायसंगत होगा। तूता मे स्वामी आत्मानंद स्कूल के शिक्षक और कर्मचारी संघ से संजीव कुमार (ध्रुव प्रदेश उपाध्यक्ष), प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य आकाश कुमार विश्वास, एस के यदु प्रदेश मिडिया प्रभारी, रायपुर संभाग उपाध्यक्ष चमन लाल देवांगन, जिला अध्यक्ष पायल कश्यप, जिला उपाध्यक्ष मनोज शर्मा, सचिव चंद्रकांत सिन्हा, सह सचिव युवराज मिश्रा व जिले भर से आये संविदा शिक्षक तथा कर्मचारी सहित कई अन्य की सक्रिय भागीदारी रही। सभी ने एकजुटता के साथ यह संदेश दिया कि जब तक मांगे पूरी नहीं होतीं, तब तक संघ का संघर्ष जारी रहेगा। संघ ने प्रदेश सरकार से अपील की है कि शिक्षकों की न्यायसंगत मांगों पर संवेदनशील होकर विचार किया जाए और शीघ्र समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं अन्यथा भविष्य में हम अपने हक और अधिकारों के लिए जमीनी लड़ाई लड़ने को मजबूर होंगे।

राजधानी में सावन ....

राजस्थान, चुरु, लखनऊ, पटना, दीघा उसके बाद उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी तक स्थित है। एक द्रोणिका बिहार के मध्य भाग से ओडिशा तक झारखंड होते हुए विस्तारित है। ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे लगे उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी ओडिशा तट और आंध्र तट से दूर यमन के पास मौजूद है।

टपक रही टीबी ....

की वजह से सामने वाला हिस्सा ज्यादा बारिश होने पर टपकने लगता है। इसके अलावा पुराने भवन में पर्याप्त जगह नहीं होने से मरीजों को खड़े होकर ही अपनी जांच और दवा मिलने के लिए बारी आने का इंतजार करना पड़ता है। इस क्षय नियंत्रण केंद्र में 70 लाख रुपए की लागत से बड़ा भवन काफी समय पहले बनाया जा चुका है, मगर शिफ्टिंग के अभाव में उसका उपयोग नहीं शुरू नहीं हो पाया है

पेज 09 के शेष...

और मरीजों के साथ वहां काम करने वाले चिकित्सकीय स्टाफ को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। जिला क्षय नियंत्रण केंद्र परिसर में इस भवन का निर्माण ट्रेनी डॉक्टर एवं चिकित्सकीय कर्मचारियों के लिए ट्राजिट हॉस्टल के रूप में किया था। ट्राजिट हॉस्टल की दूसरी व्यवस्था होने की वजह से अब इसकी जरूरत नहीं। इसे ध्यान में रखते हुए टीबी अस्पताल को पुराने से नए भवन में शिफ्ट करने का प्रस्ताव सालभर पहले विभाग को भेजा गया था। समय बीतने के बाद भी शिफ्टिंग की अनुमति नहीं मिलने की वजह से मरीजों और चिकित्सकीय स्टाफ को वहीं जांच और इलाज की प्रक्रिया पूरी करनी पड़ रही है।

ग्रेड सुधारने रविवि ....

में नैक टीम का रविवि दौरा प्रस्तावित है। सूत्रों के अनुसार, संभावित तिथि 25 जुलाई है। रविवि किसी तरह की कमी इस दौरान नहीं बरतना चाहता है, यही वजह है कि सभी तरह की छुट्टियां निरस्त करते हुए अवकाश अर्जी पर भी रोक लगा दी गई है। हालांकि विवि प्रबंधन ने यह स्पष्ट किया है कि शासकीय अवकाश के दिनों में कार्य करने वाले कर्मचारियों के खाते में इन छुट्टियों को अर्जित अवकाश के रूप में गिना जाएगा, जिन्हें वे 15 अगस्त के बाद कभी भी ले सकते हैं। गौरतलब है कि रविवि में लगभग 400 अधिकारी-कर्मचारी कार्यरत हैं।

दो काउंसिलिंग में ....

अभ्यर्थियों को सरकारी की तुलना में काफी अधिक पैसे खर्च करने पड़ेंगे। प्रदेश के 10 शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में 50 हजार के लगभग वार्षिक फीस है, वहीं निजी चिकित्सा महाविद्यालयों में इसके लिए 7.45 लाख रुपए से 7.99 लाख रुपए तक सालाना खर्च करने होंगे। जानकार सूत्रों का कहना है कि एएफआरसी निजी कॉलेजों में विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाओं के आधार पर फीस का निर्धारण किया जाता है। एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने के लिए एक वर्ग निजी मेडिकल कॉलेजों में ही दिलचस्पी दिखाता है। इस वजह हर साल निजी कॉलेजों में एमबीबीएस की सभी सीटें दो मॉपअप राउंड तक पूरी भर जाती हैं। पिछली बार राज्य में निजी मेडिकल कॉलेजों की संख्या 5 थी, मगर सीबीआई के छापे के बाद एक कॉलेज में जीरो ईयर घोषित हो चुका है।

युवक से मारपीट....

समेत अन्य युवक शामिल थे, जिन्होंने गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी भी दी। अभिषेक का इलाज मेकाहारा अस्पताल में जारी है। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

देर रात एसपी ने तिल्दा थाने का किया औचक निरीक्षण

तिल्दा नेवरा। शनिवार देर रात्रि रायपुर जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेंद्र सिंह अचानक तिल्दा नेवरा थाना पहुंचे। उनका यह औचक दौरा जनता को बेहतर पुलिस व्यवस्था दिलाने और थाने की व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में किया गया। डॉ. सिंह ने निरीक्षण के दौरान थाना परिसर के हर हिस्से का बारीकी से जायजा लिए, उन्होंने रिकॉर्ड रजिस्टर, ड्यूटी चार्ट और लंबित प्रकरणों की फाइलों की गहन जांच भी की। गश्ती दल के वाहनों, वायरलेस सेट और अन्य सुरक्षा उपकरणों की कार्यक्षमता को भी परखा। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों को सख्त निर्देश दिए कि हर फरियादी की शिकायत का तत्काल समाधान हो और गश्ती व्यवस्था में किसी भी तरह की ढिलाई नहीं बरती जानी चाहिए। तिल्दा नेवरा थाने में स्टाफ की कमी की बात एसपी ने भरोसा दिलाया कि जल्द ही अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। उन्होंने कहा, "नागरिकों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्टाफ की कमी को दूर करके पुलिस सेवा को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा ताकि गश्त और शिकायतों के निपटारे की गति तेज हो सके।" डॉ. सिंह ने अंत में सभी पुलिसकर्मियों को यह संदेश दिया कि रायपुर जिले में कानून व्यवस्था को लेकर कोई भी ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा, "जनता की सुरक्षा हमारी पहली जिम्मेदारी है और हर पुलिसकर्मी को पूरी ईमानदारी और तत्परता से अपने कर्तव्य निभाने होंगे।" इस अवसर पर तिल्दा नेवरा पुलिस स्टॉफ उपस्थित थे।

मार्ग चौड़ीकरण और पुल-पुलिया निर्माण के लिए 21 करोड़ स्वीकृत

हरिभूमि न्यूज ⏭| आरंग

- विकास कार्यों की स्वीकृति पर जनपद सदस्य अमर ने जताया आभार

लंबे समय से प्रतीक्षित भानसोज से बरछा, मालिडीह होते हुए खौली मार्ग के चौड़ीकरण, मजबूतीकरण तथा पुल-पुलिया निर्माण के कार्य हेतु 21 करोड़ 22 लाख 20 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हो गई है। इस महत्वपूर्ण स्वीकृति से क्षेत्र की वर्षों पुरानी मांग पूरी हुई है, जिससे ग्रामीणों में उत्साह और खुशी की लहर है। इस स्वीकृति के लिए क्षेत्रीय जनपद सदस्य अमर मांडले ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, लोकनिर्माण मंत्री, वित्त मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक गुरु खुशवंत साहब का क्षेत्र की जनता की ओर से हार्दिक आभार व्यक्त किया है। श्री मांडले ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश का सर्वांगीण विकास हो रहा है और ग्रामीण अंचलों की अधोसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में यह निर्णय मील का पत्थर साबित होगा। अमर मांडले ने बताया कि आरंग विधानसभा क्षेत्र में इस सड़क का अत्यधिक महत्त्व है। यह मार्ग ग्रामीणों की दैनिक आवाजाही, कृषि उपज की ढुलाई, स्कूली विद्यार्थियों तथा अन्य परिवहन आवश्यकताओं के लिए अत्यंत आवश्यक था।

उत्पाद शुल्क, वाहनों पर कर, जीएसटी और एसटी का बकाया सवा 10 हजार करोड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार को विभिन्न माध्यमों से मिलने वाले करों की बकाया राशि 10 हजार 279 करोड़ रुपए से अधिक है। इनमें से करीब पौने चार हजार करोड़ रुपए तो पिछले पांच साल से वसूले ही नहीं जा सके हैं। राज्य वित्त पर लेखा प्रतिवेदन से ये तथ्य सामने आया है। साथ ही पिछले एक साल में कर चोरी के 1114 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। खास बात ये है, प्रतिवेदन में कहा गया है कि राजस्व का बकाया, शासन को देय राजस्व देर से वसूली का संकेत देता है।

खास खबर

सबसे अधिक 6 हजार 196 करोड़ जीएसटी का बकाया

वाहन मालिकों ने जमा नहीं कराए 354 करोड़ रुपए

बिक्री व्यापार पर सबसे अधिक बकाया

प्रतिवेदन में कहा गया है कि बिक्री, व्यापार आदि पर कर 31 मार्च 2024 की स्थिति में 3 हजार 672 करोड़ रुपए बकाया है। इसमें पांच साल का ही बकाया 2 हजार 727.65 करोड़ रुपए है। इस संबंध में विभाग ने ये नहीं बताया है कि इतनी बड़ी राशि की वसूली लंबित होने का क्या कारण है।

कर चोरी के मामले हजार पार

राज्य में वाहनों पर कर, जीएसटी, व्यापार आदि पर कर चोरी के हजार से अधिक मामले हैं। 1 अप्रैल 2023 तक इस तरह के लंबित मामलों की संख्या 914 थी। इनमें सबसे अधिक 877 वाहनों पर कर चोरी के हैं। 2023-24 के दौरान पता लगाए गए मामलों की संख्या 200 रही। इस तरह कुल मामले 1 हजार 114 हो गए। इन मामलों में कुल मिलाकर 332.62 करोड़ रुपए की वसूली निकली है। प्रतिवेदन में ये भी कहा गया है कि मार्च 2024 के अंत में कुल मामलों में से 6.28 प्रतिशत मामले अंतिम रूप देने के लिए लंबित शेष अन्य विभागों जैसे ऊर्जा, वाणिज्यकर पंजीयन, खनिज संसाधन, वन आदि ने सितंबर 2024 में लेखा परीक्षा द्वारा अनुरोध किए जाने के बावजूद कर, राजस्व की चोरी के संबंध में विवरण प्रस्तुत नहीं किया।

जीएसटी बकाया 6 हजार 196 करोड़

इसी क्रम में जीएसटी का बकाया 6 हजार 196 करोड़ 37 लाख रुपए है। इनमें पांच साल पुराने 18.76 करोड़ रुपए भी शामिल हैं। इस संबंध में विभाग ने बताया है कि वसूली की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। कुछ मामलों में पुनरीक्षण न्यायालय में अपील लंबित है। कुछ मामलों में मालिक की मृत्यु की स्थिति में बकाया राशि लंबित है। इसके अलावा कुछ व्यापारियों के बैंक खाते सीज कर दिए गए हैं तथा कुछ व्यापारियों की राशि समायोजित कर ली गई है।

इन मदों में फंसे हैं हजारों करोड़

अब अगर बात की जाए कि अन्य करों की वसूली कितनी और क्यों बकाया है तो ये तथ्य सामने आता है कि राज्य उत्पाद शुल्क पर 56.39 करोड़ बकाया है। इसमें आबकारी शुल्क अंतर, मनोरंजन कर का बकाया, लाइसेंस शुल्क, खिसरा, पपिस्ट्रा (पोस्त के बीज) का लाइसेंस शुल्क शामिल है। इसी क्रम में वाहनों पर कर 354.21 करोड़ रुपए बाकी है। इसमें से 287 करोड़ 33 लाख रुपए इसलिए बकाया हैं कि वाहन स्वामियों द्वारा वाहन कर समय पर जमा नहीं किया गया। हालांकि विभाग ने वसूली के लिए समय-समय पर प्रवर्तन बलों के चेकपोस्ट, उड़नदस्तों द्वारा कार्रवाई की गई है। पंजीकृत पते पर वाहन स्वामी के न मिलने तथा वाहनों के निर्धारित मार्ग पर न चलने के कारण वाहन का पता ही नहीं चल पा रहा है और बकाया की वसूली नहीं हो पा रही है। यह विभाग की दलील है।

खबर संक्षेप

36 उत्कृष्ट एमएसएमई उद्यमियों का सम्मान

रायपुर। राजधानी रायपुर स्थित एक निजी होटल में रविवार को मेगा एमएसएमई एंटरप्रेन्योर्स गौरव अवार्ड का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राज्यभर के 36 उत्कृष्ट एमएसएमई उद्यमियों को 7 श्रेणियों में विशेष अतिथि कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी ने सम्मानित किया। स्टार्टअप, रिटेल, ट्रेडिंग, मैन्युफैक्चरिंग, सर्विसेस, स्पेशल अचीवमेंट और सक्सेस स्टोरी के अलावा एक विशेष सम्मान गौरव रत्न' छत्तीसगढ़ के प्रियंक पटेल को प्रदान किया गया। आयोजक ने बताया कि यह आयोजन लर्निंग बैगर्स द्वारा प्रस्तुत और मिलेनियल नेटवर्क द्वारा रणनीतिक रूप से क्रियान्वित किया गया, जिसका उद्देश्य छत्तीसगढ़ की उद्यमशीलता को राष्ट्रीय मानचित्र पर लाना है। 300 से अधिक नामांकनों में से एक निष्पक्ष मूल्यांकन प्रक्रिया के माध्यम से 36 उद्यमियों को उनके नवाचार, प्रभाव और नेतृत्व के लिए चुना गया। प्रमुख सम्मानितों में धवल वरु, कृति शर्मा, चतर सिंह सलूजा, जसविंदर सिंह, नमित गोयल आदि शामिल हैं।

निधन

दलजीत कौर मल्होत्रा

रायपुर। रायपुर निवासी दलजीत कौर मल्होत्रा का 19 जुलाई को निधन हो गया।

उनकी अंतिम यात्रा में श्रद्धांजलि देने बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। वे जगजीत सिंह मल्होत्रा की धर्मपत्नी और विक्की मल्होत्रा की माता एवं मिंटू छाबड़ा तथा सतिंदर सिंह ढुआ की सास थीं।

नरेंद्र तिवारी

रायपुर। अलकनंदा टॉवर रोहिणीपुरम निवासी नरेंद्र तिवारी का 20 जुलाई को निधन हो गया।

उनकी अंतिम यात्रा 21 जुलाई को सुबह 10 बजे उनके निवास स्थान से महादेवघाट श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे निवेदिता तिवारी के पति और निशांत तिवारी, निकिता के पिता थे।

जोन-9 के मोतीलाल नेहरू वार्ड में शामिल है कचना, लभांडी के वाटर एटीएम से निकल रहे कीड़े

कचना-लभांडी में पीएम आवास के रहवासी हलाकान, कच्ची सड़क पर गड्ढे, सीवरेज ध्वस्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगर निगम जोन-9 स्थित पं. मोतीलाल नेहरू वार्ड के कचना क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास के रहवासियों के एंट्री पाइंट वाली सड़क बेहद खराब है। कच्ची सड़क पर जगह-जगह गड्ढे और कीचड़ के बीच से होकर लोगों को आना-जाना पड़ रहा है, वहीं गंदे पानी की निकासी के अब तक नालियां नहीं बनी हैं। इससे घरों और सीवरेज लाइन का गंदा पानी सड़क पर बह रहा है। वहीं पं. लालबहादुर शास्त्री वार्ड के लभांडी इलाके की संकल्प सोसायटी फेज-2 में नगर निगम द्वारा 10 लाख खर्च कर लगवाए गए वाटर एटीएम से पानी के साथ कीड़े निकलने से लोग परेशान हैं। इसकी शिकायत जोन कमिश्नर और निगम आयुक्त से भी की गई है। इसके बावजूद समस्या जस के तस है।

हरिभूमि सरोकार

लभांडी क्षेत्र में सीवरेज के पानी निकासी के लिए अब तक नाले का निर्माण नहीं हुआ है। खुले में गंदा पानी बह रहा है, यही गंदा पानी रिसकर बोर में मिल रहा है। लोगों की सेहत दांव पर लगी हुई है। संकल्प सोसायटी फेज-2 में एक साल पहले सीवरेज का गंदा पानी बोरवेल में रिसने से डायरिया का प्रकोप फैला था। तब नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग ने शिविर लगाकर लोगों की स्वास्थ्य जांच और उपचार की व्यवस्था की। 10 लाख खर्च कर वाटर एटीएम लगाया गया। अब उसी वाटर एटीएम में पीने के साफ पानी के साथ कीड़े निकल रहे हैं। इससे लोगों की सेहत दांव पर लगी हुई है। लभांडी बस्ती से लेकर पीएम आवास योजना के अंतर्गत स्थित संकल्प सोसायटी के सीवरेज लाइन का पानी कच्चे नाले में जा रहा है।

कचना में तीन बीएसयूपी साइट की 80 स्ट्रीट लाइट्स खराब

कचना की पीली बिल्डिंग बीएसयूपी का आवासीय परिसर, जहां 300 लोग रहते हैं, वहां पांच दिन से पानी नहीं आ रहा है। भुक्तभोगियों ने हरिभूमि को बताया कि क्षेत्र की स्ट्रीट लाइटें भी अरसे से बंद पड़ी हैं। लभांडी-203 संकल्प फेज-1, और फेज-2 के अलावा राजीव गांधी नगर से लगे मुख्य मार्ग पर अंधेरा छाया हुआ है, यहां की स्ट्रीट लाइट बंद है।

कच्चे रास्ते पर बजरी डालकर चला रहे काम

ब्रह्मदेई नगर के सामने भरा सीवरेज का पानी : *ब्रह्मदेई नगर के घरों के सामने सीवरेज लाइन का पानी बजबजा रहा है। यहां करीब 50 से 60 घर स्थापित हैं, जहां रहने वालों की सेहत खतरे में है। लोगों के घरों के पीछे सीवरेज का पानी जाता है। वहीं 100 मीटर की दूरी पर बोर भी है, पिछले साल इस बोर के पानी में ई-कोलाई बैक्टीरिया पाया गया था। सीवरेज की वजह से कॉलोनी में डायरिया फैलने का अंदेशा बना रहता है।*

निगम आयुक्त को आज सौंपेंगे ज्ञापन : *लभांडी स्थित आदर्श संकल्प सोसायटी की समस्याओं के संबंध में कॉलोनीवासी वार्ड पार्षद रेणु-जयंत साहू के साथ सोमवार को निगम आयुक्त विश्वदीप से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपेंगे। साथ ही वाटर एटीएम में पानी के साथ कीड़े निकलने की शिकायत भी करेंगे।*

नाला निर्माण का भेजा है प्रस्ताव

लभांडी क्षेत्र मे नाला निर्माण के लिए 1 करोड़ 58 लाख का प्रस्ताव डेढ़ वर्ष पहले ही शासन को भेजा जा चुका है, अभी तक अनुमति नहीं मिल पाई है।

- संतोष पांडे, कमिश्नर, जोन-9

कचना पीएम आवास के रहवासी त्रस्त, कच्ची सड़क पर जगह-जगह गड्ढे

मोतीलाल नेहरू वार्ड के कचना क्षेत्र में स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत निर्मित आवासीय परिसर के रहवासी एंट्री पाइंट वाली कच्ची सड़क से आने-जाने विवश हैं। बारिश के सीजन में सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं, जिसमें गंदा पानी भरा हुआ है। कीचड़ से होकर महिलाओं, बच्चों को आने-जाने में काफी परेशानी हो रही है। लोगों की शिकायत के बाद भी नगर निगम पक्का रोड नहीं बनवा पाया। इससे रहवासियों में आक्रोश व्याप्त है। इसके विरोध में लोगों ने हाल ही में निगम मुख्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। कच्ची सड़क पर मुरुम और बजरी डालकर काम चलाया जा रहा है। कचना के सुमीत इंफ्रास्ट्रक्चर-261 क्षेत्र में जलभराव की समस्या बनी हुई है। पानी निकासी की व्यवस्था नहीं है, इसी तरह जैनम इंफो कचना-232 सत्यम नगर में सेप्टिक और किचन का पाइप एक साथ होने से गंदा पानी भर गया है। चैंबर भरने पर यहां अलग से निकासी की व्यवस्था नहीं बनाई गई है। प्रभावित रहवासियों ने बताया कि उन्होंने जोन कमिश्नर से लेकर निगम आयुक्त तक अपनी परेशानी बताई है। कॉलोनी के रास्ते में पानी भरने की शिकायत महापौर मीनल चौबे से भी की गई है।

आर्थिक नाकेबंदी को सफल बनाने कल चक्काजाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को कथित शराब घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में ईडी द्वारा की गई गिरफ्तारी के एक दिन बाद कांग्रेस ने आगे की रणनीति बनाई है। इसके तहत छत्तीसगढ़ कांग्रेस 22 जुलाई को पूरे राज्य में आर्थिक नाकेबंदी करेगी।

इसी कड़ी में रविवार को आर्थिक नाकेबंदी को सफल बनाने के लिए जिला कांग्रेस रायपुर की बैठक हुई। बैठक में आर्थिक नाकेबंदी को सफल बनाने के लिए सभी ब्लॉकों में भी आज बैठक लेकर ठोस निर्णय किया जाएगा। इस हेतु सभी ब्लॉक अध्यक्षों सहित वरिष्ठ नेताओं को अपने-अपने क्षेत्रों की जिम्मेदारी दी गई है। बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने बताया कि जिस प्रकार से पूरे देश में विरोधियों, खासकर विपक्ष के मजबूत, प्रभावशाली नेताओं को सरकारी एजेंसियों के माध्यम से दबाव डालकर अपने मित्रों के खिलाफ आवाज को बंद कराने की बलपूर्वक साजिश कर रहे हैं, इस प्रकार कवासी लखमा, देवेंद्र यादव सहित अभी चैतन्य बघेल के माध्यम से भूपेश बघेल को दबाना चाहते हैं। अभनपुर, आरंग, धरसींवा, बिरगांव, तिल्दा सहित विभिन्न क्षेत्रों में भी आंदोलन के साथ चक्काजाम किया जाएगा।

बैठक में ये रहे उपस्थित

बैठक में पूर्व सांसद छाया वर्मा, गिरीश देवांगन, शैलेश नितिन त्रिवेदी, पंकज शर्मा, नंदलाल देवांगन, योगेंद्र सोलंकी, भावेश बघेल, दुर्गेश वर्मा, कोमल साहू, विद्याभूषण सोनवानी, सौरभ मिश्रा, सौरभ शर्मा, गिरधारी साहू, देवव्रत, अश्वनी वर्मा, जितेंद्र चंद्राकर, राजू शर्मा, अविनाश नियाल, दिलदार कुमरे, सुनील सोनी, गजानंद वर्मा सहित कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

नन्ही कन्याओं को हल्दी कुमकुम लगाकर गृह प्रवेश कराने की तर्ज पर लोकार्पण

- शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड में विधायक राजेश मूणत ने 8 नए विकास कार्यों की दी सौगात

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर में एक अनूठी तर्ज पर पहली बार नन्ही कन्याओं को हल्दी कुमकुम लगाकर गृह प्रवेश कराने की तर्ज पर लोकार्पण की पहल हुई। रायपुर पश्चिम क्षेत्र विधायक राजेश मूणत ने शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड में 1 करोड़ 8 लाख रुपए की लागत से 8 नए विकास कार्यों की सौगात दी। नगर निगम के आयोजन में नए विकास कार्यों के लोकार्पण के लिए सभी 8 विभिन्न स्थानों पर कन्याओं का हल्दी कुमकुम लगाकर गृह प्रवेश कराने की तर्ज पर लोकार्पण हुआ। इस मौके पर महापौर मीनल चौबे, निगम सभापति सूर्यकांत राठौर, वार्ड पार्षद एवं एमआईसी सदस्य दीपक जायसवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। नगर

निगम जोन-7 के अंतर्गत शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड में रविवार को पूर्व केबिनेट मंत्री व रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने महापौर मीनल चौबे के साथ 1 करोड़ 8 लाख रुपए की लागत से 8 नए विकास कार्यों का एकमुश्त लोकार्पण कर वार्डवासियों को सौगात दी।

कार्यक्रम में ये हुए शामिल

लोकार्पण कार्यक्रम में लोककर्म विभाग अध्यक्ष दीपक जायसवाल, जोन अध्यक्ष श्वेता विश्वकर्मा, नगरीय नियोजन एवं भवन अनुज्ञा विभाग अध्यक्ष मनोज वर्मा, स्वामी आत्मानंद वार्ड पार्षद आनंद अग्रवाल, एमआईसी सदस्य प्रतिनिधि अशोक पांडे, सामाजिक कार्यकर्ता बजरंग अग्रवाल, जोन-7 कमिश्नर राकेश शर्मा, कार्यपालन अभियंता ईश्वरलाल टावरे सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मनीष सागर महाराज ने कहा - आध्यात्मिक धार्मिक बनने के लिए सामाजिक बनना जरूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

टैगोर नगर पटवा भवन में रविवार को विशेष प्रवचनमाला में मनीष सागर महाराज ने जीवन में सुधार का प्रारंभ कहां से करें विषय पर सभी को समझाया। उन्होंने कहा कि आज से ही नई शुरुआत करें, जिसकी उपेक्षा करना शुरू कर दिए थे, उसे वापस अपने निकट लाएं और जिसके प्रति कुछ वहम पाल लिए थे, उसे हटाकर सबकुछ अच्छा है, ऐसा मानकर जीवन जीने का प्रयास करें और अपने घर-परिवार को स्वर्ग जैसा बनाएं। ऐसा करके हम अपने परिवार के साथ आध्यात्मिक यात्रा में आगे बढ़ें। उन्होंने आगे कहा कि निज पर शासन फिर अनुशासन अर्थात अपने आप पर नियंत्रण आवश्यक है। आत्म-नियंत्रण ही अनुशासन को दर्शाता है। जब हम अपने विचारों, भावनाओं और कार्यों पर पूरी तरह से शासन कर लेते हैं, तभी हम अनुशासन की ओर बढ़ सकते हैं। अनुशासन केवल बाहरी नियमों का पालन करना नहीं है, बल्कि यह आंतरिक शक्ति और आत्म-नियंत्रण का परिणाम है। ये हमें अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ने में मदद करता है।

सबसे पहले अपने बच्चों को समाज से जोड़ें

मनीष महाराज ने कहा कि हमेशा स्वभाव में शांति, संस्कारों में मर्यादा, समाज में मिलनसारिता और शासन के प्रति समर्पण रखें। यह चार विशेषताएं अपने भीतर डेवलप करें, क्योंकि तैयारी न हो तो नाटक भी फेल हो जाता है। यदि जीवन में तैयारी न हो तो परिवार भी बिगड़ जाता है। आज बच्चे समाज से दूर हो रहे हैं। सबसे पहले अपने बच्चों को सामाजिक बनाएं, समाज से जोड़ें। जैसे हम घर-घर में मंदिर नहीं, संघ का मंदिर बनाते हैं, ताकि व्यक्ति घर से निकलकर चार लोगों से मिले और उससे प्रेरणा मिले। कोई तो उदाहरण बनेगा, कोई तो आदर्श बनेगा। जब तक सामाजिक नहीं बनोगे तो आध्यात्मिक और धार्मिक कैसे बनोगे। समाज में मिलनसारिता यदि आ जाए तो परिवार में भी मिलनसरिता अपने आप आ जाएगी।

पेज 09 के शेष ...

राजधानी में सावन ....

राजस्थान, चुरु, लखनऊ, पटना, दीघा उसके बाद उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी तक स्थित है। एक द्रोणिका बिहार के मध्य भाग से ओडिशा तक झारखंड होते हुए विस्तारित है। ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे लगे उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी ओडिशा तट और आंध्र तट से दूर यमन के पास मौजूद है।

टपक रही टीबी ....

की वजह से सामने वाला हिस्सा ज्यादा बारिश होने पर टपकने लगता है। इसके अलावा पुराने भवन में पर्याप्त जगह नहीं होने से मरीजों को खड़े होकर ही अपनी जांच और दवा मिलने के लिए बारी आने का इंतजार करना पड़ता है। इस क्षय नियंत्रण केंद्र में 70 लाख रुपए की लागत से बड़ा भवन काफी समय पहले बनाया जा चुका है, मगर शिफ्टिंग के अभाव में उसका उपयोग नहीं शुरू नहीं हो पाया है और मरीजों के साथ वहां काम करने वाले चिकित्सकीय स्टाफ को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। जिला क्षय नियंत्रण केंद्र परिसर में इस भवन का निर्माण ट्रेनी डॉक्टर एवं चिकित्सकीय कर्मचारियों के लिए ट्राजिट हॉस्टल के रूप में किया था। ट्राजिट हॉस्टल की दूसरी व्यवस्था होने की वजह से अब इसकी जरूरत नहीं। इसे ध्यान में रखते हुए टीबी अस्पताल को पुराने से नए भवन में शिफ्ट करने का प्रस्ताव सालभर पहले विभाग को भेजा गया था। समय बीतने के बाद भी शिफ्टिंग की अनुमति नहीं मिलने की वजह से मरीजों और चिकित्सकीय स्टाफ को वहीं जांच और इलाज की प्रक्रिया पूरी करनी पड़ रही है।

ग्रेड सुधारने रविवि ....

में नैक टीम का रविवि दौरा प्रस्तावित है। सूत्रों के अनुसार, संभावित तिथि 25 जुलाई है। रविवि किसी तरह की कमी इस दौरान नहीं बरतना चाहता है, यही वजह है कि सभी तरह की छुट्टियां निरस्त करते हुए अवकाश अर्जी पर भी रोक लगा दी गई है। हालांकि विवि प्रबंधन ने यह स्पष्ट किया है कि शासकीय अवकाश के दिनों में कार्य करने वाले कर्मचारियों के खाते में इन छुट्टियों को अर्जित अवकाश के रूप में गिना जाएगा, जिन्हें वे 15 अगस्त के बाद कभी भी ले सकते हैं। गौरतलब है कि रविवि में लगभग 400 अधिकारी-कर्मचारी कार्यरत हैं।

दो काउंसिलिंग में ....

अभ्यर्थियों को सरकारी की तुलना में काफी अधिक पैसे खर्च करने पड़ेंगे। प्रदेश के 10 शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में 50 हजार के लगभग वार्षिक फीस है, वहीं निजी चिकित्सा महाविद्यालयों में इसके लिए 7.45 लाख रुपए से 7.99 लाख रुपए तक सालाना खर्च करने होंगे। जानकार सूत्रों का कहना है कि एएफआरसी निजी कॉलेजों में विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाओं के आधार पर फीस का निर्धारण किया जाता है। एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने के लिए एक वर्ग निजी मेडिकल कॉलेजों में ही दिलचस्पी दिखाता है। इस वजह हर साल निजी कॉलेजों में एमबीबीएस की सभी सीटें दो मॉपअप राउंड तक पूरी भर जाती हैं। पिछली बार राज्य में निजी मेडिकल कॉलेजों की संख्या 5 थी, मगर सीबीआई के छापे के बाद एक कॉलेज में जीरो ईयर घोषित हो चुका है।

युवक से मारपीट, बचाने ....

समेत अन्य युवक शामिल थे, जिन्होंने गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी भी दी। अभिषेक का इलाज मेकाहारा अस्पताल में जारी है। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चकल्लस

एल-1 नहीं एल-2 एलिजिबल

प्रदेश के सरकारी अस्पताल प्रबंधन इन दिनों सिफारिशी दबाव झेल रहे हैं। अस्पताल के कामकाज के लिए होने वाली आउटसोर्सिंग में चहेती संस्थाओं को काम दिलाने जनप्रतिनिधि काफी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। मनमाफिक काम नहीं होने पर प्रबंधन से जुड़े लोगों को तबादले की धमकी भी मिलने लगी है। किडनी की गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों को डायलिसिस सेवा प्रदान करने टेंडर जारी करना प्रबंधन के लिए बड़ा सिरदर्द बन गया है। दरअसल अस्पताल कम खर्च में सेवा प्रदान करने वाली संस्था को प्रक्रिया के तहत एल-1 को काम देना चाहती है, लेकिन मंत्री बंगले से ज्यादा खर्च में काम करने वाली एल-2 कंपनी को एलिजिबल करने सिफारिश की जा रही है। प्रबंधन से जुड़े लोग इस बात का फैसला नहीं कर पा रहे हैं कि वे बंगले वालों से पंगा ले या ज्यादा खर्च कराने वालों को स्वीकार लें...।

सेफ जोन में विभागाध्यक्ष

विभागीय छात्रा पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में आरोपी बनाए गए एचओडी के खिलाफ पुलिस की जांच ठंडी पड़ गई है।शिकायत के बाद कॉलेज प्रबंधन की लापरवाही की वजह चिकित्सा शिक्षक के हौसले बुलंद हो गए और उनके द्वारा छात्रा पर शिकायत वापस लेने कई तरीके से दबाव बनाया जाने लगा। मामला थाने पहुंचा और डॉक्टर आरोपी बनाए गए, मगर उस पर विभागीय एक्शन लेने के बजाय उन्हें चिकित्सा शिक्षा संचालनालय के सेफ जोन में पहुंचा दिया गया। चर्चा इस बात की है कि कटघरे में खड़े किए गए डॉक्टर का आरोपों से गहरा नाता है। पहले भी उन पर कई गंभीर आरोपों लगे, मगर हर बार जांच में निर्दोष साबित होते रहे।

स्वागत पर ऐतराज...

वैसे तो स्वागत, वंदन, अभिनंदन से नेताओं को गुरेज नहीं होती, पर बात अपोजिशन की हो तो इस पर भी सवाल दागने से नहीं चूकते। ऐसा हुआ भी, सफाई के अवार्ड लेकर नेताजी शहर लौटे तो बाजे-गाजे के साथ स्वागत हुआ, पर इस बार स्वागत करने वालों का ट्रेंड कुछ बदला-बदला-सा रहा। सपोर्टर की जगह ठेकेदार, सफाई वाले साहब, जोन वाले साहब, फाइनेंस वाले गुलदस्ता लेकर एयरपोर्ट पहुंच गए। यह बात पुराने नेताजी को हजम नहीं हुई, सो गरियाने लगे। जनसेवा और प्रशासनिक दायित्व वालों को बुलाकर कभी हमने अपना स्वागत नहीं कराया। यहां तो अति हो गई, जिन अफसरों को पानी, सफाई, जनता की सेवा के लिए गली-मुहल्लों में होना था, वे कामधाम छोड़कर कॉर्पोरेशन के वाहन से स्वागत करने आ गए।

फंस गए साहब ...

व्हाइट हाउस में फाइनेंस देखने वाले डिप्टी साहब का मूड बदल गया है। प्लानिंग से लेकर एक-एक पैसा तक सोच-समझकर खर्च करने वाले को बड़े साहब ने लूप लाइन में भेज दिया। जहां पहले खासी पूछपरख होती थी, अब वहां कोई पूछने वाला ही नहीं है। खबरीलाल को पता चला कि स्मार्ट सिटी का डिब्बा गुल होते ही रनिंग प्लान को ऑपरेट करने साहब को जिम्मा दिया गया है। कलीग ने साहब को बधाई दी, जवाब मिला, अच्छे खासे काम कर रहे थे, साहब ने कहां फंसा दिया। इससे अच्छा तो यहीं रहने देते।

चलो झूला झूलें

अपना बचपन याद है आपको? जब आप झूले पर बैठने की जिद किया करते थे और तमाम जोड़-तोड़ के बाद जब सबसे खतरनाक वाले झूले में जाकर बैठ जाया करते थे तो डर के कारण नीचे उतरने बीच राउंड में ही चीखने लगते थे। ये सब आपको इसलिए बता रहे हैं ताकि आप राजधानी के शिक्षा कार्यालय के भूतपूर्व साहब की स्थिति समझ सकें। साहब अब अपनी इच्छा से झूले से नीचे उतर गए हैं। जो नए वाले आए हैं, वे पहले 6 माह तक ये वाला झूला झूल चुके हैं और उन्हें इसमें आनंद भी आया था। इसलिए ही जिद करके फिर से झूले पर चढ़ गए हैं। ठीक है... शौक अपने-अपने। झूलने दीजिए।

देख रहा है बिनोद

पंचायत का सीजन-4 आ चुका है। अमेजन प्राइम का सब्सक्रिप्शन समाप्त हो गया है तो पैसे खर्च करने की जगह लाइव पंचायत देख लीजिए। क्या है कि प्रदेश के सबसे बड़े विवि में नैक टीम आने वाली है। आने वाली है मतलब उन्हें जबर्दस्ती लाया जाने वाला है। जो चीजें सालों शिकायत के बाद भी ठीक नहीं हुई उन्हें साहब ढूंढ-ढूंढकर ठीक करवा रहे हैं। किसी विभाग में घूसकर कुछ ठीक करने का आदेश दे जाएं तो उन्हें देखते हैं स्टाफ कहने लगते हैं-देख रहा है बिनोद... नैक टीम आने से लोग कैसे एक्टिव हो जाते हैं, वरना कोई पूछता भी था हमको? वैसे भइय्या... ई ए ग्रेड मिलने से हमारा क्या होगा? जो भी मलाई आएगा वो साहब के खाते में नहीं ना जाएगा...।

मौका न मिलने का मलाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ काम करना का मौका छत्तीसगढ़ के बहुत से नेताओं को मिला है। ऐसे नेताओं की गिनती बहुत ज्यादा है, लेकिन जब पीएम मोदी के साथ अपने काम का अनुभव साझा करने का मौका मिलने की बारी आई तो बहुत से नेताओं को इसका अवसर नहीं मिला। खबरी बता रहा था, थोक में ऐसे नेता हैं, जो चाह रहे थे कि उनको भी अपनी बात रखने का मौका मिले, लेकिन दिल्ली से आई सूची में उनका नाम न होने के कारण इनको मन मारकर रहना पड़ा। जिनको अपने अनुभव साझा करने का मौका मिला, वे नेता खुश हैं कि आने वाले समय में अगर पीएम पर किसी पुस्तक का प्रकाशन होगा तो उसमें उनके अनुभव को भी स्थान मिल सकता है।

अनुभव की बात

राज्य के सबसे बड़े सदन में धान के हिसाब-किताब और खराबी-बर्बादी पर बात चली तो एक वरिष्ठ नेता और मंत्री के अनुभव सामने आए। एक महिला विधायक ने कहा कि बारिश में भीगने से धान में जरी निकल गया, यानि अंकुरित हो रहा है। मंत्रीजी ने इस पर सफाई दी कि बारिश में भीगे धान को सुखाने के लिए बोरे खोलकर धूप दिखाई गई थी। तभी एक वरिष्ठ नेता ने मंत्रीजी को बताया कि भीगे धान को धूप दिखाने से और अंकुरित होता है तो आप यही बता दीजिए कि धान को बचाना चाहते हैं या और ज्यादा अंकुरित होने देना चाहते है। बेचारे मंत्रीजी निरुत्तर हो गए।

अंधे सिस्टम के बहरे लोग

छत्तीसगढ़ में पिछले करीब दो साल से दिव्यांगों के फर्जी सर्टिफिकेट बनवाकर सरकारी नौकरी करने का मामला चर्चा में है। दर्जनों लोग फर्जी दिव्यांग बनकर सरकारी नौकरी कर रहे हैं, लेकिन सरकारी सिस्टम इन फर्जी लोगों को पकड़ नहीं पा रहा है, न ही किसी को नौकरी से निकाला जा सका है। इस बीच एक दिलचस्प जानकारी सामने आई कि ये फर्जी प्रमाणपत्र वालों में अधिकांश वे लोग हैं, जिन्होंने बहरेपन का प्रमाण पत्र बनवाया था। यही बहरे लोग अब मेडिकल जांच कराने का सरकारी आदेश नहीं सुन पा रहे हैं। शायद उन्हें भी पता है कि सिस्टम अंधा है, इसलिए वे भी बहरे बने हुए हैं।

जिया कुरैशी, राजकुमार ग्वालानी, प्रदीप शर्मा, विकास शर्मा, रुचि वर्मा।

बहू-बेटी के साथ बेटे चैतन्य से मिलने ईडी कार्यालय पहुंचे भूपेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राज्य में 2174 करोड़ रुपए के शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार किए गए चैतन्य बघेल से मिलने उनके पिता, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपनी बहू तथा बेटी के साथ रविवार दोपहर 1 बजे ईडी कार्यालय पहुंचे। चैतन्य की अपने पिता, पत्नी तथा बहन के साथ आधे घंटे तक मुलाकात और बातचीत हुई। बेटे से मिलकर पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने बेटे को ढाढस बंधाते हुए कहा कि तुम्हारे दादा जिंदा होते तो बहुत खुश होते, क्योंकि वे भी जिंदगीभर अन्याय, अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाते रहे और जेल जाते रहे। तुम भी अब इस लड़ाई में शामिल हो गए।

बेटे से मिलकर निकलने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री श्री बघेल ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि पप्पू बंसल के बयान के आधार पर उनके बेटे को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही उन्होंने तमनार में पेड़ों की कटाई रोकने सड़क से सदन तक लड़ाई लड़ने पर उनकी आवाज दबाने अडानी के इशारे पर कार्रवाई करने का आरोप लगाया। पूर्व मुख्यमंत्री के अनुसार, 10 मार्च को ईडी उनके घर कार्रवाई करने के लिए पहुंची, तब उनके बेटे को किसी भी प्रकार का कोई सम्मन नहीं दिया गया और उन्हें अब गिरफ्तार कर लिया गया।

चैतन्य से बोले- तुम्हारे दादा भी अन्याय के खिलाफ जिंदगीभर लड़ते रहे

साजिश के तहत फंसाने का आरोप

पूर्व मुख्यमंत्री के अनुसार, पूर्व में छापे की कार्रवाई में उनके यहां से किसी भी तरह के आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद नहीं हुए हैं। उन्होंने खुद को तथा बेटे को साजिश के तहत फंसाए जाने का आरोप लगाया है। श्री बघेल के अनुसार, उनके बेटे की गिरफ्तारी की जानकारी मिलने पर उन्हें सबसे पहले राहुल गांधी ने कॉल किया था। उसके बाद कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व के नेताओं के साथ प्रियंका गांधी ने कॉल कर उनकी लड़ाई में साथ देने की बात कही।

घोटाले की रकम के आंकड़े हनुमानजी की पूंछ की तरह बढ़ा रहे

श्री बघेल ने, शराब घोटाले को लेकर ईडी के साथ ईओडब्ल्यू के अफसर एकमत नहीं हैं। शराब घोटाले को 21 सौ करोड़ रुपए का बताया, वहीं अब ईओडब्ल्यू घोटाले में रकम 32 सौ करोड़ रुपए होना बता रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, उन्हें जानकारी मिली है कि जांच एजेंसी ने किसी न्यायालय में शराब घोटाले को चार हजार करोड़ रुपए का होना बताया है। जांच एजेंसी शराब घोटाले में रकम के आंकड़े हनुमानजी की पूंछ की तरह बढ़ाती जा रही हैं।

गांवों और खेतों से गुजरती है रेलवे ट्रैक, रफ्तार पर भी पड़ेगा असर

राजिम रूट पर ट्रेन बड़ी सुविधा, पर दिक्कत कम नहीं, मवेशियों की आवाजाही बड़ी चुनौती

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अभनपुर से राजिम के बीच प्रस्तावित यात्री ट्रेन सेवा के सुचारू संचालन में मवेशी सबसे बड़ी चुनौती बन सकते हैं। रेलवे ट्रैक सीधे ग्रामीण क्षेत्रों व खेतों के मध्य से गुजरती है, जहां मवेशियों की आवाजाही होती रहती है। ग्रामीण क्षेत्रों में मवेशियों को खुले में चरने के लिए छोड़ दिया जाता है, जिससे उनके ट्रैक पर आ जाने की संभावना बनी रहती है। यह स्थिति न केवल ट्रेनों की गति को प्रभावित कर सकती है, बल्कि दुर्घटनाओं की आशंका को भी बढ़ा सकती है। अभनपुर से राजिम के बीच सड़क मार्ग पर तीन रेलवे फाटक बनाए गए हैं, जिनके आसपास मवेशी अक्सर दिखाई देते हैं। बता दें कि रायपुर से अभनपुर के बीच ट्रेन परिचालन के पहले ही दिन एक मवेशी ट्रेन की चपेट में आ गया था। रेल प्रशासन द्वारा ग्रामीणों को जागरूक करने अभियान चलाया जाता है, फिर भी मवेशियों को ट्रैक से दूर रखने के लिए कई स्थानों पर फेंसिंग की आवश्यकता है। बिना स्थायी समाधान के इस रूट पर सुरक्षित ट्रेन परिचालन मुश्किल हो सकता है।

खास खबर

प्लेटफार्म की फिनिशिंग का काम जारी

राजिम रेलवे स्टेशन में निर्माण कार्य तेजी से अंतिम चरण में पहुंच चुका है। स्टेशन का लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है। प्लेटफार्म पर टाइल्स बिछाने और सफाई जैसे फिनिशिंग कार्य फिलहाल जारी हैं। रेलवे प्रशासन ने 15 अगस्त से राजिम तक लोकल ट्रेन चलाने की तैयारी कर ली है। उम्मीद है कि निर्धारित समयसीमा के भीतर शेष कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। यात्रियों के लिए स्टेशन में बुनियादी सुविधाएं जैसे शौचालय, पेयजल और बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। स्थानीय लोगों में स्टेशन के संचालन को लेकर उत्साह है, क्योंकि इससे उन्हें रायपुर और अन्य क्षेत्रों से बेहतर और सस्ता परिवहन विकल्प मिल सकेगा।

बस से सस्ता विकल्प बनेगी लोकल ट्रेन

रायपुर से अभनपुर के बीच चल रही लोकल ट्रेन में प्रतिदिन औसतन 60 से अधिक यात्री ही सफर कर रहे हैं, जो अपेक्षा से काफी कम है, लेकिन अब रेलवे को उम्मीद है कि इस सेवा का विस्तार राजिम तक होने से यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। रायपुर से राजिम की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या अभनपुर की तुलना में अधिक है। ऐसे में जब ट्रेन सीधे राजिम तक पहुंचेगी तो यात्रियों के लिए यह अधिक सुविधाजनक और सस्ता विकल्प बन जाएगा। रेलवे के अनुसार, रायपुर से राजिम के बीच की रेल दूरी 45 किमी है। सामान्य पैसेंजर ट्रेनों में किराया दर 0.48 रुपए प्रति किलोमीटर के हिसाब से निर्धारित होता है। इस हिसाब से रायपुर से राजिम तक ट्रेन का अनुमानित किराया लगभग 22-23 रुपए होगा, जबकि वर्तमान में यात्रियों को बस से सफर करने पर 50 रुपए तक खर्च करने पड़ रहे हैं। अभनपुर से राजिम तक की दूरी लगभग 17किमी है और इस रूट के लिए अनारक्षित टिकट की न्यूनतम दर 10 रुपए रहेगी।

हाईटेक मशीनों का निकाय में उपयोग देख चकित मिला अनुभव का खजाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

महापौर मीनल चौबे इजराइल अध्ययन दौरे से रायपुर लौटीं। अपने अनुभव साझा करते हुए महापौर ने कहा कि इजराइल के नगरीय निकायों में उपयोग की जाने वाली उच्च तकनीकी मशीनों को देखकर वे बेहद चकित हुईं। यह यात्रा केवल एक दौरा नहीं थी, बल्कि ज्ञान और अनुभव का एक ऐसा भंडार है, जो जीवनभर मेरे साथ रहेगा। सोमवार को नए उत्साह के साथ रायपुर शहर की जनता की सेवा में पुनः उपलब्ध रहूंगी। रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे ने कहा कि विदेश यात्रा का यह सफर एक साहसिक निर्णय था। खासकर मौजूदा युद्ध के माहौल को देखते हुए, लेकिन इसने मुझे धरातल पर वास्तविक स्थिति को समझने का मौका दिया। इजराइल की तकनीकी श्रेष्ठता, विशेषकर उनके म्युनिस्पिल कॉर्पोरेशन और मुनि एक्सपो में प्रदर्शित हाईटेक मशीनों के माध्यम से नवाचार को किस तरह शहरी जीवन और सुरक्षा में एकीकृत किया जा सकता है, इस बात को समझने का मौका मिला। इस दौरान इजराइल के प्रधानमंत्री का संबोधन भी सुनने का मौका मिला। इजराइल के विदेश मंत्री और वहां के अमेरिकी दूत तथा स्थानीय सरकार ने आपातकालीन प्रक्रिया और सामुदायिक विकास में अपने अनुभवों को साझा किया।

येरुशलम का भ्रमण भी

महापौर ने बताया कि यात्रा के दौरान ऐतिहासिक शहर येरुशलम के भ्रमण का अवसर मिला। मैंने होलोकास्ट म्यूजियम में मानवीय त्रासदी की गहराई को महसूस किया। 7 अक्टूबर 2023 के आतंकी हमले के अवशेषों को देखकर और पीड़ित लोगों से बात कर जो लगातार संघर्ष के बीच जी रहे हैं, उनके दर्द और अदम्य साहस की भावना को समझने का प्रयास किया। महापौर ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव का विशेष आभार, जिनके सहयोग से यह यात्रा संभव हो पाई।

आरएसएस ने मनाया गुरु पूर्णिमा उत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ माधव नगर स्थित जोरापारा बस्ती के काली मंदिर स्थित हॉल में स्वयंसेवकों द्वारा गुरु पूर्णिमा महामहोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवकों ने गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया।

इस कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. राजेंद्र दुबे शास्त्री के नेतृत्व में संघ की प्रार्थना से हुई। स्वयंसेवकों ने भगवा ध्वज का पूजन किया। साथ ही अपने बौद्धिक संबोधन में स्वयंसेवक डॉ. राजेंद्र दुबे ने गुरु पूर्णिमा उत्सव के महत्व और गुरु-शिष्य परंपरा की पवित्रता पर चर्चा की। डॉ. दुबे ने कहा, गुरु की सीख हमें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। वेद-पुराणों में गुरु-शिष्य परंपरा के कई उदाहरण मिलते हैं। सभी उपस्थित स्वयंसेवकों ने संघ गीत गाकर भगवा ध्वज को नमन किया। साथ ही पुष्प अर्पित कर गुरु दक्षिणा का भी समर्पण दिया। इस अवसर पर मुरली शर्मा, अवतार सिंह बागल, मनीष साहू, सुरेश कुंबलकर, भूषण टावरे, पुखराज चाकोले, प्रणीत जैन, साजन ठाकुर, अनिकेत यादव, नरेंद्र चंदेल, मयंक गवली, कमेश वर्मा, यशवंत साहू, बलदाऊ यादव समेत अन्य स्वयंसेवक उपस्थित थे।

बैज बोले- राजस्थान को केंद्र सरकार ने आवंटित की थी कोयला खदान

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, मोदी सरकार ने राजस्थान सरकार को कोयला खनन का अधिकार 2015 में दिया। जब केंद्र ने कोयला खनिज (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 2015 के तहत कोयला खदानों की नीलामी शुरू की। राजस्थान को कोयला खनन के लिए जो मुख्य ब्लॉक परसा ईस्ट और कांता बासन कोल ब्लॉक हसदेव अरण्य क्षेत्र को राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड को दिया और परसा कोल ब्लॉक का आवंटन 2022 में केंद्र सरकार ने राजस्थान को दिया, जो छत्तीसगढ़ के हसदेव अरण्य क्षेत्र में है। श्री बैज ने कहा, भाजपा की पत्रकारवार्ता में उपमुख्यमंत्री एवं विधि मंत्री अरुण साव भी शामिल होने वाले थे, लेकिन वे जानबूझकर नहीं आए, क्योंकि उन्हें विधि की जानकारी है और उन्हें पता है कि कोल आवंटन का अधिकार केंद्र सरकार के पास में है। ऐसे में वे झूठ बोलने से बचने पत्रकारवार्ता में नहीं आए और केदार कश्यप पत्रकारवार्ता में झूठ बोलकर प्रदेश की जनता को गुमराह कर रहे हैं। श्री बैज ने कहा, मंत्री केदार कश्यप आदिवासी वर्ग से हैं, लेकिन वे जंगल कटाई का विरोध नहीं कर रहे हैं, बल्कि जो कांग्रेस पार्टी जंगल कटाई का विरोध कर रही है।

ऑटोमैटिक सिग्नलिंग से अब समय पर चलेगी ट्रेन उरकुरा-सरोना में लेटलतीफी की समस्या होगी खत्म

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर से होकर गुजरने वाली दर्जनों ट्रेनें रोजाना विलंब से स्टेशन पहुंचती थीं, जिसकी वजह से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। रेलवे को लगातार शिकायतें मिल रही थीं, लेकिन अब इन शिकायतों में कमी आने की उम्मीद है, क्योंकि उरकुरा से सरोना बायपास लाइन तक ऑटोमैटिक सिग्नलिंग प्रणाली का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। यह नई तकनीक ट्रेनों की समयबद्धता में उल्लेखनीय सुधार लाएगी और रेलवे परिचालन को अधिक सुरक्षित एवं कुशल बनाएगी। पहले अक्सर ट्रेनें रायपुर स्टेशन पहुंचने से ठीक पहले आउटर सिग्नल पर खड़ी हो जाती थीं, इस वजह से स्टेशन पहुंचने में देर होती थी।

अब ऑटोमैटिक सिग्नलिंग प्रणाली के जरिए ट्रेन संचालन रीयल टाइम में नियंत्रित होगा, जिससे इस तरह की रुकावटों में कमी आएगी।रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस तकनीकी उन्नयन से ट्रैक की क्षमता में भी बढ़ोतरी होगी। अधिक ट्रेनों को एक ही मार्ग पर नियमित और व्यवस्थित ढंग से चलाया जा सकेगा, जिससे संचालन की दक्षता बढ़ेगी। ट्रेनें अब अधिक सटीकता से अपने तय समय पर चल सकेंगी और यात्रियों को समय पर गंतव्य तक पहुंचने में मदद मिलेगी।

■ बायपास लाइन पर ऑटोमैटिक सिग्नल सिस्टम से ट्रेनों की समयबद्धता और सुरक्षा में होगा बड़ा सुधार

एक ही ट्रैक पर चल सकेंगी कई ट्रेनें

ऑटोमैटिक सिग्नलिंग से ट्रेन के आगे के ट्रैक पर किसी भी तरह की रुकावट नहीं आएगी। रेलवे का कहना है कि इससे दुर्घटनाओं की संभावना न्यूनतम होती है। अधिक ट्रेनों को एक ही मार्ग पर नियंत्रित रूप से चलाया जा सकेगा, जिससे रेल संचालन की क्षमता में सुधार होगा। ट्रैक की क्षमता में बढ़ोतरी होगी। रेलवे ने बताया कि कुल 52 डिटेक्शन पॉइंट्स और 48 ट्रैक सेक्शन, जिनसे ट्रेन की स्थिति रीयल टाइम में ट्रैक की जाती है। सरोना से उरकुरा तक आवश्यक सूचनाओं का फास्ट डेटा एक्सचेंज संभव हुआ है।

विरोध में आज से प्रदेशभर में सौंपे जाएंगे ज्ञापन

पेंशन योजना एनपीएस या यूपीएस, कर्मचारी बदलाव नहीं चाहते

रायपुर। छत्तीसगढ़ के शासकीय सेवकों की पेंशन मामले का जिन्न एक बार फिर बाहर आ गया है। राज्य सरकार ने सीधी भर्ती के विज्ञापित पदों पर चुने गए शासकीय सेवकों को केवल नवीन पेंशन योजना (एनपीएस) या एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) में शामिल करने का निर्णय लिया है, लेकिन सरकारी कर्मचारी इसके लिए तैयार नहीं हैं। उनका कहना है कि उन्हें ओपीएस यानी पुरानी पेंशन योजना का लाभ मिलना चाहिए। राज्य में अब से करीब तीन साल पहले पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय पेंशन का मामला जमकर गरमाया था। उस समय नवीन पेंशन योजना और पुरानी पेंशन योजना लागू करने का मामला था, लेकिन तत्कालीन सरकार ने कर्मियों को उनके विकल्प के आधार पर पुरानी पेंशन योजना में शामिल किया। इसके बाद से यह पूरा मामला शांत हो गया था। इधर तीन दिन पहले राज्य सरकार ने एक नई अधिसूचना जारी कर कहा है कि 1 अगस्त 2025 से राज्य शासन की सेवा में सीधी भर्ती के विज्ञापित पदों पर चयनित शासकीय सेवकों के लिए केवल नवीन पेंशन योजना या एकीकृत पेंशन योजना में शामिल होने का विकल्प उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है।

यूपीएस को किया है अंगीकृत: राज्य शासन को सीधी भर्ती के कर्मियों के लिए पेंशन योजना में बदलाव इसलिए करना पड़ा है, क्योंकि राज्य सरकार ने वित्त मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसी साल 24 जनवरी से लागू की गई एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को 1 अगस्त 2025 से अंगीकृत किया है, यानी लागू किया है।

हम ओपीएस के पक्षधर, नहीं चाहिए दूसरी योजना: छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के संयोजक कमल वर्मा का कहना है कि प्रदेश में पहले ही ओपीएस लागू किया जा चुका है, उसे यथावत रखना चाहिए। इस संबंध में पूर्व सरकार ने निर्णय लिया, लेकिन उनके समय के कुछ निर्देश आधे-अधूरे थे, उसे मौजूदा सरकार ने पूरा किया है। अब जो नई योजना लाई जा रही है, हम उसका विरोध कर रहे हैं, बात नहीं मानी गई तो आंदोलन करेंगे।

कर्मचारियों ने शुरू किया विरोध

छत्तीसगढ़ में यूपीएस यानी एकीकृत पेंशन योजना को लेकर विरोध शुरू हो गया है। छत्तीसगढ़ अंशदायी पेंशन कर्मचारी कल्याण संघ ने शनिवार को एक वर्चुअल बैठक आयोजित कर शिक्षा, स्वास्थ्य, पीएचई, कृषि, पीडब्ल्यूडी सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारियों से चर्चा की। संघ ने इस निर्णय को कर्मचारी विरोधी और भविष्य की असुरक्षा को बढ़ाने वाला कदम बताया और यह निर्णय लिया कि 1 अगस्त 2025 से नियुक्त होने वाले सभी शासकीय कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के दायरे में लाया जाए। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि 21 से 23 जुलाई के बीच राज्य के सभी 33 जिलों में जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

हरिभूमि लाइव

रायपुर, सोमवार 21 जुलाई 2025

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

गुफाओं- पहाड़ों के बीच बहेगी नदियां ...

लाइव इवेंट

सिख समाज ने मेधावी 10वीं-12वीं के छात्र-छात्राओं का किया सम्मान

रायपुर। खालसा स्कूल में छत्तीसगढ़ के सिख विद्यार्थी राज्य स्तरीय सम्मान-2025 का भव्य आयोजन हुआ। इसमें प्रदेश भर के सिख समाज के 10वीं व 12वीं की परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले 22 विद्यार्थियों को गोल्ड व सिल्वर मेडल से सम्मानित किया गया। इसमें 10वीं की परीक्षा में 97 प्रतिशत अंक लाने वाली डोंगरगढ़ की निमरत कौर छाबड़ा और धनेली रायपुर की जसमीत कौर को गोल्ड मेडल प्राप्त हुआ। वहीं, रायपुर के गगनदीप सिंह गुम्बर और महासमुन्द की मनप्रीत कौर को सिल्वर मेडल से सम्मानित किया गया। इसके अलावा 12वीं की परीक्षा में 96.4 प्रतिशत अंक के साथ अंबिकापुर की जसकीरत बाबरा और रायपुर की तुही सलूजा को गोल्ड मेडल, दुर्ग की समरीन मौसिन और अंबिकापुर की आस्था मलिक को सिल्वर मेडल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक पुरन्दर मिश्रा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्रेडा के अध्यक्ष सरदार भूपिन्दर सिंह सवन्नी ने की। विशेष अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष सरदार अमरजीत सिंह छाबड़ा, छत्तीसगढ़ खाद्य आयोग के अध्यक्ष सरदार गुरप्रीत सिंह बाबरा और खालसा शिक्षण समिति के अध्यक्ष सरदार राजवंत सिंह गरेवाल उपस्थित रहे।

इन विद्यार्थियों को भी किया गया पुरस्कृत

छत्तीसगढ़ सिख ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसिएशन व्दारा आयोजित छत्तीसगढ़ के सिख विद्यार्थी राज्य स्तरीय सम्मान 2025 में 10वीं कक्षा में रायगढ़ के मनजोत सिंह घई, कवर्धा के दर्श सिंह पाहूजा, डोंगरगढ़ की सिमरत कौर छाबड़ा, राजनांदगांव के मेहर सलूजा, डोंगरगढ़ के अभिजोत सिंह भाटिया, रायगढ़ की गुरमहक कौर घई, पत्थलगांव जशपुर की रिजक कौर भाटिया, रायपुर के हरलीन सिंह गुरदत्ता, रायपुर की अनमोल कौर को सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार 12वीं कक्षा में बेमेतरा की सिदक कौर सलूजा, रायपुर के जसप्रीत सिंह चावला, भिलाई की बलजिन्दर कौर, बिलासपुर की प्रीत बग्गा और रायपुर की अमृत कौर को सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर खालसा स्कूल और माता सुन्दरी स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया।

● विशेषज्ञों का मानना गरज-चमक के समय मोबाइल यूजर बन जाता है विद्युत चालक

बारिश में खुले मैदान, पेड़ के नीचे या छत पर मोबाइल चला रहा आदमी एक तड़ित चालक जैसा, जो आकाशीय बिजली को करता है आकर्षित

बारिश के दिनों में मोबाइल व इलेक्ट्रॉनिक्स गैजेट्स का सुरक्षित इस्तेमाल बहुत जरूरी है। लोग बारिश व गरज-चमक के समय मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स सामानों के इस्तेमाल करते खुद को संकट में डाल लेते हैं। ऐसे में बरसात के दिनों में सामान्य तौर पर उपयोग किए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक्स गैजेट्स, मोबाइल फोन से दूरी रखनी पड़ेगी।

रायपुर। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से गरज-चमक के दौरान खुले मैदान, पेड़ के नीचे या छत पर मोबइल फोन का उपयोग करने वाला आदमी खुद एक विद्युत चालक की तरह व्यवहार करने लगता है, जिसकी ओर बरसात में गरज-चमक के दौरान अक्सर आकाशीय बिजली आकर्षित होने की अधिक संभावना बनती है। ऐसी स्थिति में आकाशीय बिजली के सीधे संपर्क में आने से बचना है तो बारिश, गरज-चमक के समय अपने मोबाइल फोन को स्वीच ऑफ मोड में डालना उचित रहेगा। यह हम नहीं कह रहें, बल्कि एनआईटी रायपुर के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर एवं विषय विशेषज्ञों का कहना है। एनआईटी रायपुर के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. तोषन मीनपाल से हरिभूमि टीम ने बारिश के समय गरज-चमक के दौरान मोबाइल फोन के सुरक्षित उपयोग के तरीके व प्रभाव के बारे में जानकारी ली। इस पर प्रोफेसर डॉ. तोषन मीनपाल ने बारिश के दौरान मोबाइल के उपयोग के वैज्ञानिक कारण व सावधानियां बताते हुए कहा कि मोबइल फोन सीधे तौर पर स्वयं आकाशीय बिजली को आकर्षित नहीं करते, लेकिन अगर व्यक्ति खुले मैदान, पेड़ के नीचे या छत पर मोबाइल फोन का उपयोग करते हैं, तो वे उसमें लगे धातु घटक के साथ खुद एक विद्युत चालक जैसे कार्य करता है, जो आकाशीय बिजली के लिए आसान लक्ष्य होता है।

धातु का निर्माण और उपयोग का तरीका है कारण

विशेषज्ञों का कहना है कि मोबाइल की तरंगें नहीं, बल्कि उसका धातु का निर्माण और उपयोग का तरीका आकाशीय बिजली को आकर्षित करने का कारण बनाता है। मोबाइल फोन में कॉपर (तांबा) एक ऐसा धात्विक घटक है, जिसका इस्तेमाल मुख्य रूप से विद्युत चालक के तौर पर किया जाता है। यह वायरिंग, सर्किट बोर्ड और विभिन्न आंतरिक कनेक्शनों में होता है, ताकि बिजली और डेटा का प्रवाह सुचारू रूप से हो सके। ऐसे में इससे निर्मित डिवाइज बारिश या गरज-चमक के संपर्क में आती है, तो यह बिजली के अधिक सक्रिय सुचालक बन जाता है, जिसकी विस्फोट की संभावना प्रबल हो जाती है।

पावर बैंक, चार्जर, हेडफोन, लैड लाइन से भी रहें दूर

बारिश व गरज-चमक के दौरान मोबाइल चार्जर प्लग को घर के इलेक्ट्रॉनिक बोर्ड या मोबाइल पावर बैंक से अलग रखें। वहीं, हेडफोन का इस्तेमाल से बचें। लैंड लाइन फोन से भी दूर रहें। इसके अलावा घरों में टीवी, फ्रीज आदि उपकरणों का इस्तेमाल बारिश के दिनों में सावधानी के साथ करना सुरक्षा के लिए अत्यंत जरूरी है।

गैजेट्स को स्वीच ऑफ कर बनें सुरक्षित

मोबाइल फोन यूजर्स को अगर इन जगहों पर आकाशीय बिजली के टारगेट में आने से बचना है, तो उन्हें तुरंत अपना मोबाइल स्वीच ऑफ करना चाहिए। साथ ही किसी सुरक्षित स्थान जैसे पक्की इमारत या कार में उन्हें रखना चाहिए। इस तरह की सावधानी बरत कर लोग आकाशीय बिजली से खुद को पूरी तरह से सुरक्षित बना सकते हैं। बारिश के दिनों में अक्सर आए दिन मोबाइल में बात करते हुए आकाशीय बिजली के चपेट की बात सामने आ रही है। ऐसे में इससे बचने के उपाय जानना बहुत ही जरूरी हो जाता है।

सिटी इवेंट

कारगिल युद्ध के शहीद जवानों को 'राइड फॉर विक्ट्री' बाइक रैली से दिया ट्रिब्यूट

रायपुर। सिटी के बाइक राइडर्स ने कारगिल युद्ध के शहीद जवानों को राइड फॉर विक्ट्री बाइक रैली से ट्रिब्यूट किया। शहर के बाइक राइडर्स और भारतीय सेना के छत्तीसगढ़ एवं ओडिशा सब एरिया द्वारा 'राइड फॉर विक्ट्री' नामक एक भव्य बाइक रैली का आयोजन किया गया। यह रैली नवा रायपुर स्थित मिलिट्री स्टेशन से प्रारंभ होकर छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध पर्वतीय दर्रे केशकाल घाटी तक आयोजित की गई। कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित इस रैली में 60 से अधिक राइडरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली में सेना के वर्तमान जवानों, सेवानिवृत्त सैनिकों, महिला बाइकर्स तथा विभिन्न पेशों से जुड़े नागरिकों ने हिस्सा लेकर देशभक्ति की अनूठी मिसाल पेश की। बारिश और दुर्गम रास्तों की चुनौती के बावजूद प्रतिभागियों का जोश और मनोबल उच्च बना रहा। यह यात्रा भारतीय सशस्त्र बलों की साहस, संकल्प और सेवा भाव का जीवंत प्रतीक रही। इसका मुख्य उद्देश्य कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर सैनिकों के शौर्य और बलिदान को सम्मान देना था। साथ ही युवाओं को देशसेवा, समर्पण और राष्ट्रीय गर्व के मूल्यों के प्रति प्रेरित करना रहा। यह रैली मुख्यालय सूर्या कमान एवं मध्य भारत क्षेत्र के तत्वावधान में आयोजित की गई, जिसने सेना और आम नागरिकों के बीच मजबूत संबंधों को और सुदृढ़ किया। रास्ते भर स्थानीय नागरिकों का गर्मजोशी से स्वागत और समर्थन इस आयोजन की सफलता में महत्वपूर्ण रहा। इस तरह के आयोजन न केवल राष्ट्र के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, बल्कि समाज में शांति, एकता और राष्ट्रीय चेतना को भी सशक्त बनाते हैं।

26 जुलाई को कारगिल युद्ध विजय दिवस

बाइक राइडर्स टीम के सदस्य अमित ठाकुर ने बताया कि रोमांच व उत्साह से भरी इस राइड फॉर विक्ट्री बाइक रैली से सिटी के यूथ में देशभक्ति की भावना को संचारित किया है। 26 जुलाई को कारगिल युद्ध विजय दिवस पूरा देश गर्व के साथ मनाएगा। कारगिल युद्ध विजय में शहादत देने वाले अमर जवानों को पूरा देश सलाम कर उनके बलिदान की शौर्य गाथा को याद करेगा।

मेनोपॉज के बाद नहीं दिया जा सकता तलाक इलाज में लापरवाही पर कानून से मिलेगा न्याय

रायपुर। मेनोपॉज सोसायटी की छठवीं वार्षिक कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें शहर की वरिष्ठ महिला चिकित्सकों सहित कई विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम के जरिए मीनोपॉज के बाद महिलाओं के स्वास्थ्य, अधिकार और जागरूकता पर जोर दिया गया। कॉन्फ्रेंस में विशेषज्ञ डॉक्टरों ने मेनोपॉज के दौरान और उसके बाद महिलाओं को होने वाले शारीरिक, मानसिक और हार्मोनल बदलावों पर चर्चा की। इस अवसर पर महिलाओं को यह बताया गया कि हार्मोन थेरेपी लेने से पहले वे डॉक्टर से पूरी जानकारी लेने की हकदार हैं। साथ ही, यह भी स्पष्ट किया गया कि बीमा कंपनियां मेनोपॉज को आधार बनाकर प्रीमियम नहीं बढ़ा सकतीं। कार्यक्रम में मरीजों के चिकित्सा अधिकारों पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम में एडवोकेट्स ने बताया कि यदि किसी मरीज के साथ डॉक्टर की लापरवाही होती है, तो वह कानून की मदद से न्याय पा सकता है। खास बात यह रही कि मीनोपॉज को लेकर समाज में मौजूद भ्रांतियों पर भी सवाल-जवाब किए गए। पब्लिक फोरम के माध्यम से आम महिलाओं के सवालों को मंच पर उठाया गया। संस्था की चेयरपर्सन डॉ. आशा जैन ने बताया कि मेनोपॉज और अधिकारों की जानकारी होना बेहद जरूरी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मेनोपॉज के आधार पर किसी महिला को तलाक नहीं दिया जा सकता।

ये रहे उपस्थितः अध्यक्ष डॉ. आशा जैन की अध्यक्षता में मानद सचिव व आयोजन सचिव डॉ. शालिनी जैन के कुशल समन्वय में कार्यक्रम ने रजोनिवृत्ति देखभाल को "निवारक एवं बहु-आयामी दृष्टिकोण" के रूप में प्रस्तुत किया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि डॉ. आभा सिंह व अतिथिगण डॉ. त्रिप्ती नागरिया, डॉ. ज्योति जायसवाल, प्राची सिंह, डॉ. सुष्मा वर्मा और विशेष अतिथि डॉ. रितु जैन ने संरचित मध्य आयु स्वास्थ्य सेवाओं पर सोसाइटी के सतत प्रयासों की सराहना की।

उपभोक्ता फोरम और कोर्ट भी जाने का अधिकार

पब्लिक फोरम में बताया गया कि अगर मरीजों को लगता है कि उनके इलाज में किसी तरह की गलती की गई तो महिला आयोग में सीधे शिकायत की जा सकती है। उपभोक्ता फोरम और कोर्ट भी जाने का अधिकार है। कई बार महिलाओं को इसकी जानकारी नहीं होती है। कार्यक्रम के साथ-साथ सोनोग्राफी, दवा, जिम और हेल्थ से जुड़े अलग- अलग स्टॉल थे। दो दिवसीय इस कॉन्फ्रेंस में मरीजों के अधिकार पर चर्चा की गई और वकीलों के माध्यम से जानकारी दी गई ।

श्री गुजराती ब्रह्म समाज ने 18 बच्चों को दी छात्रवृत्ति

रायपुर। श्री गुजराती ब्रह्म समाज पिछले 40 वर्षों से लगातार समाज के आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के बच्चों की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करता है। उसी कड़ी में इस वर्ष भी दया भवन में रविवार को समाज के 18 बच्चों को लगभग पौने दो लाख रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। समाज के अध्यक्ष कीर्ति व्यास ने बताया कि जैसे-जैसे समाज विकसित और समृद्ध होता जा रहा है, वैसे-वैसे छात्रवृत्ति की राशि में भी लगातार बढ़ोतरी कर रहे हैं।

दानदाताओं के द्वारा छात्रवृत्ति फंड में जो राशि दान स्वरूप दी जाती है, उसके ब्याज की राशि एवं समाज को प्रति वर्ष होने वाली बचत से 10 प्रतिशत राशि छात्रवृत्ति फंड में मिलाकर दी जाती है। कार्यक्रम में मारू कंसारा सोनी समाज के पूर्व अध्यक्ष प्रफुल भाई बारमेड़ा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। ब्रह्म समाज के वरिष्ठ सदस्य एवं समाज के प्रमुख दानदाता रामानुज भाई पुरोहित एवं महिला मंडल की अध्यक्ष प्रवीणा बेन जोशी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष हितेश व्यास तथा आभार व्यक्त सचिव अशोक त्रिवेदी ने किया।

कार्नर न्यूज

क्या मैं एक्सेल शीट भरने के लिए पैदा हुआ हूं...बेचैनी से शुरू हुआ लेखक दिव्य प्रकाश दुबे का नया सफर

व्यक्ति को हमेशा 2-3 दोस्त ऐसे बनाने चाहिए, जो उसे सही सलाह दे सकें

रायपुर। वीआईपी रोड स्थित जुगाड़ कैफे में रायपुर रीडर्स क्लब द्वारा टॉक शो का आयोजन किया गया, जिसमें लोकप्रिय लेखक दिव्य प्रकाश दुबे शामिल हुए। इस दौरान शहर के किताब प्रेमी भी लेखक और उनकी किताबों से जुड़ी यादों को सुनने के लिए पहुंचे। लेखक ने अबतक शर्तें लागू..मसाला चाय..मुसाफिर कैफे..अक्टूबर जंक्शन..इब्नेबतूती..आको-बाको..और यार पापा..नामक किताबें प्रकाशित की हैं, जिसके संदर्भ में चर्चा की गई। इस मौके पर पाठकों और लेखक के बीच लंबे समय तक संवाद हुआ। ऐसे में पाठक में लेखक बनने का विचार कैसा आया? इससे संवाद की शुरुआत की।

जीवन में एक बार आनंद जैसी फिल्म लिखने की इच्छा

टॉक शो के वक्त लेखक दिव्य प्रकाश ने पाठकों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपने जीवन से जुड़े कई बातें पाठकों के बीच रखीं। उन्होंने कहा, अब तक लगभग 400 किताबें पढ़ चुका हूं। मेरी पसंदीदा फिल्मों में एक आनंद फिल्म है। किसी व्यक्ति को हंसाना सबसे सरल काम है, लेकिन रूलाना कठिन है। आनंद फिल्म के पीछे की कहानी व्यक्ति को जीवन जीने की कला सिखाती हैं, अगर मैं एक आनंद जैसी फिल्म अपने जीवन में लिख सकूं तो आराम से मर सकूंगा।

प्रकाशन के बाद पुरानी किताबों को याद नहीं रखता

उन्होंने बताया कि सेल्स डिपार्टमेंट में काम करते वक्त वर्कलोड से बेचैन होकर खुद से सवाल पूछा, क्या मैं एक्सेल शीट भरने के लिए पैदा हुआ हूं? इस सवाल ने जीवन के नए सफर की दिशा तय की। इस दौरान पाठकों ने यादगार और मनपसंद किताब के बारे में पूछा। इस पर लेखक ने बताया कि मेरे लिए सबसे प्रिय किताब वही है, जो प्रकाशित होने वाली होती है। मैं पुरानी किताबों को अपनी एक्स की तरह देखता हूं, उनके साथ बिताया हुआ समय सबसे अच्छा होता है। लेकिन, उसको भूलकर आगे बढ़ता रहता हूं। किताबें प्रकाशन के बाद मैं दोबारा नहीं सोचता हूं।

अब तक 400 से अधिक किताबें पढ़ीं

पाठकों ने पूछा किताबों का टाइटल सामान्य से अलग क्यों रखते हैं? ऐसे में लेखक ने कहा कि मेरी पहली किताब का नाम इब्नेबतूती था, जिसका कोई अर्थ ही नहीं है। लेकिन, इसके बाद भी पाठकों को यह पसंद आई। मेरे अनुसार किताब का नाम और डिजाइन ऐसा होना चाहिए जो 100 किताबों के बीच में भी अलग नजर आए। इस दौरान मसाला चाय..नामक किताब से जुड़ी यादों को साझा किया। उन्होंने कहा, प्रकाशन से पहले मसाला चाय और मिक्स वेज नाम में कन्फ्यूजन था। लेकिन, दोस्त की सलाह पर मसाला चाय तय किया। जीवन में 400 से अधिक किताबें पढ़ी हैं। सभी किताबें कुछ नया सिखाती हैं। व्यक्ति को हमेशा 2-3 दोस्त ऐसे बनाने चाहिए, जो आपको सही सलाह दे सकें। इससे आपका जीवन सरल और बेहतर हो जाता है।

सावन उत्सव

हरित परिधान में सोलह श्रृंगार थीम पर मनाया सावन उत्सव

रायपुर। सावन शुरू होने के साथ ही अलग-अलग समाज की महिलाओं द्वारा सावन उत्सव की श्रृंखला सजाई जा रही है। इस कड़ी में रविवार को छत्तीसगढ़ कायस्थ समाज की महिला प्रकोष्ठ के द्वारा सावन उत्सव का आयोजन वृन्दावन हॉल में किया गया। मीडिया प्रभारी नेहा श्रीवास्तव ने बताया कि इस सावन सेलिब्रेशन को लेकर समाज की महिलाओं में काफी उत्साह का माहौल था। इसमें महिलाओं के बीच कई खेल प्रतियोगिताएं हुईं। इसमें महिलाओं ने नींबू रेस जीतने के लिए प्रयास किया।

सावन उत्सव से पर्यावरण सुरक्षा का दिया संदेश

'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' सेवा संस्था ने सावन उत्सव का आयोजन किया। यह कार्यक्रम महिला सशक्तीकरण व पर्यावरण सुरक्षा विषय पर हुआ। सभी महिलाओं ने पर्यावरण संरक्षण और पौधे लगाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में सावन सुंदरी प्रतियोगिता में नेहा तिवारी, दीपाली पांडे ने अभिनय से महिला सशक्तीकरण का संदेश दिया। इसके साथ ही सांस्कृतिक प्रभारी सरिता विश्वकर्मा ने खेल का आयोजन किया, जिसमें सभी महिलाओं भाग लिया। कार्यक्रम में संस्था की सचिव ममता सुबोध शर्मा, सलाहकार सुमन कमलेश शर्मा के साथ संस्था की महिलाएं शामिल रहीं।

छतरी के साथ किया रैम्प वॉक

सोनी समाज द्वारा रविवार को सावन उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी महिलाओं ने छतरी के साथ रैम्प वॉक की। इसके साथ रेन डांस में हिस्सा लिया और मस्ती से डांस किया। आयोजन के दौरान महिलाओं ने सावन के गीतों पर अंताक्षरी खेली व फनी गेम खेले। सावन गेम प्रतियोगिता में प्रथम सुधा सोनी, द्वितीय सविता गुप्ता और डांस में प्रथम मीनाक्षी सोनी, द्वितीय अंजली सोनी रहीं। कार्यक्रम में सविता गुप्ता, सुधा सोनी, कल्पना सोनी, अंजली गुप्ता व समाज की महिलाएं शामिल रहीं।

कुर्सी और जलेबी दौड़ में दिखाई प्रतिभा

कृष्ण मित्र फाउंडेशन द्वारा हरेली उत्सव का आयोजन पुरखा गार्डन टिकरापारा में किया गया। इसमें कई प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। सावन क्वीन प्रतियोगिता के विनर रोशनी राजू सोनी, लता चंद्राकर, रेखा झंवर, कुर्सी दौड़ में माधुरी वर्मा व जलेबी दौड़ में रीना ठाकुर, संतोषी साहू रहीं। कार्यक्रम में शाहिदा खान, संतोष साहू, माधव यादव, हेमलता यादव, मनोहर यादव ने मधुर स्वर में गीत गाए। कार्यक्रम के दौरान विधायक सुनील सोनी ने सोमेश्वर महादेव मंदिर निर्माण के लिए 7 लख रुपए की राशि देने की घोषणा की। कार्यक्रम में सचिव गोवर्धन झंवर, कोषाध्यक्ष संजय चंद्राकर, रतन जैन, धनु लाल देवांगन आदि उपस्थित रहे।

परसदा में आकार ले रहे आस्था केन्द्र में द्वादश ज्योतिर्लिंग सहित माता दुर्गा के नौ रूपों का होगा दर्शन

गुफाओं-पहाड़ों के बीच बहेगी नदियों की धारा कैलाश शिखर पर सजेगा वैष्णो देवी का दरबार

'तेजी से विकसित हो रहे नवा रायपुर क्षेत्र में एक अनूठा आस्था केन्द्र आकार ले रहा है। जहां कैलाश मानसरोवर की झलक देखने को मिलने वाली है। करीब डेढ़ साल बाद परसदा स्थित श्री कैलाश शिखर प्रमुख आस्था केन्द्र होगा। पांच मंजिला आस्था केन्द्र के भू-तल एवं प्रथम तल में श्रद्धालुओं को अलग-अलग क्षेत्र में स्थित श्री द्वादश ज्योतिर्लिंग का एक ही जगह दर्शन करने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही सबसे अंतिम माले पर वैष्णो देवी का दरबार सजेगा।'

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सनातन धर्म प्रेमियों को आस्था केन्द्रों की सुखद अनुभूति दिसंबर 2026 में मिलने की उम्मीद है। विश्व जागृति मिशन के मीडिया प्रभारी अश्विनी विग ने बताया कि पूज्य सुधांशु महाराज की कल्पना को साकार करने के लिए 2014-15 में साढ़े 6 एकड़ जमीन तय किया गया। इस मंदिर का निर्माण दिल्ली और जयपुर के हुनरमंदों द्वारा किया जा रहा है। 20 कारीगर विगत 10 साल से श्रीधाम को तराशने में लगे हैं। ब्रह्मलोक आश्रम में आकार ले रहा भव्य पांच मंजिला कैलाश शिखर परिसर में पहुंचते ही 91 फीट ऊंचे पहाड़ का नजारा श्री कैलाश शिखर के रूप में बाहर से देखने को मिलेगा। इस अलौकिक कैलाश शिखर के आंतरिक हिस्से और दीवारों को भी इंटीरियर के माध्यम से नदियों व पहाड़ों जैसा आकर्षक माहौल मिलेगा।

भक्तों को मिलेगा आध्यात्मिक माहौल

श्री कैलाश शिखर के भूतल एवं प्रथम तल पर श्री द्वादश ज्योतिर्लिंग स्थल और 12 पवित्र ज्योतिर्लिंगों का दर्शन परसदा में ही मिलेगा। सोमनाथ का दर्शन करने के लिए लोगों को लंबा सफर नहीं करना पड़ेगा। मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, केदारनाथ, भीमाशंकर, काशी विश्वनाथ, त्र्यंबकेश्वर जैसे पावन तीर्थ धाम का एहसास होगा। वैद्यनाथ, नागेश्वर, रामेश्वरम, घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग दर्शन का अवसर भक्तों को भू-तल एवं प्रथम पर मिलेगा। मंदिर में इंटीरियर के माध्यम से अलग-अलग ज्योतिर्लिंग का दर्शन के साथ ही आध्यात्मिक एहसास भी होगा।

ऐसा रहेगा शिखर का भव्य स्वरूप

हिमालय की पर्वत मालाओं की श्रृंखला में पूर्व दिशा की ओर चीन अधिकृत क्षेत्र में देवों के देव महादेव का पवित्र धाम श्री कैलाश मानसरोवर है। ब्रह्मांड की सारी ऊर्जा यही केंद्रित हैं। शिखर से चार पवित्र नदियां निकालकर देश में बहती हैं। कैलाश शिखर में प्रवेश करने वाले दर्शनार्थियों को वैसा ही माहौल मिलेगा। कैलाश मानसरोवर दर्शन के लिए दुर्गम रास्ते एवं कंपकंपा देने वाली ठंड और समुद्र तल से अत्यधिक ऊंचाई पर होने का एहसास होगा।

बाहर लेजर शो के जरिए दिखाएंगे प्रसंग

संध्याकालीन समय में मंदिर के बाहर लेजर शो देखने का अवसर मिलेगा। लाइट के माध्यम से धार्मिक और आध्यात्मिक प्रसंगों को लेजर शो से प्रदर्शित किया जाएगा। झील के पास गौरी कुंड भी बनाया जाएगा। इसमें हिमालय से कुछ इस तरह की जड़ी-बूटियां लाकर जल पवित्र करेंगे। कुंड में कोई डुबकी लगाएगा। इससे युवाओं का आस्था केन्द्रों और धर्म के प्रति लगाव बढ़ेगा। शिखर से चार नदियों के उद्गम स्थल से जल की धाराएं प्रभावित होकर सरोवर में समाहित होगी। शिखर के उच्च तल पर पहुंचने लिफ्ट का भी प्रावधान है।

मां दुर्गा के नौ स्वरूपों का होगा दर्शन

दूसरे तल पर मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की स्थापना की तैयारी चल रही है। माता के हर स्वरूप से जुड़े प्रसंगों को मंदिर के बाहर बनाए जाने वाले झील में लेजर लाइट के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा। इससे आने वाले श्रद्धालुओं को दर्शन के साथ प्रसंगों की जानकारी भी मिलेगी। माता के हर स्वरूप इंटीरियर्स की मदद से बेहतर किया जाएगा। इसके साथ ही सबसे उच्चतम तल पर मां वैष्णो देवी का दरबार सजेगा। इस दर्शन यात्रा के बीच हर वह पल आएगा, जो लोगों को वैष्णो देवी का दर्शन करने पहाड़ियों और नदियों से होकर माता के दरबार में पहुंचे हैं, कुछ ऐसा ही एहसास मिलेगा।

जहां ज्ञान कम हो वहां मौन ही समझदारी सोच-समझकर बोलना है असली बुद्धिमानी

रायपुर। दादाबाड़ी में आत्मोत्थान चातुर्मास 2025 के अंतर्गत चल रहे प्रवचन श्रृंखला में परम पूज्य श्री हंसकीर्ति श्रीजी म.सा. धर्मरत्न प्रकरण ग्रंथ का पठन कर रही हैं। इसी क्रम में रविवार को उन्होंने कहा कि बिना सोचे-समझे या विचार किए कुछ भी बोलना नहीं चाहिए, क्योंकि हमारे शब्दों का प्रभाव गहरा हो सकता है। जब हम किसी विषय पर बोलते हैं, तो यह जरूरी है कि उस विषय की पूरी समझ और जानकारी हमारे पास हो। यदि हमें किसी विषय की पूरी जानकारी नहीं है या हमारी समझ सीमित है, तो उस पर बहुत अधिक बात करना उचित नहीं होता। ऐसा करने से हमारी बातों में गंभीरता और सच्चाई की कमी नजर आती है। कई बार हम बिना पूरी जानकारी के किसी विषय पर अपनी राय व्यक्त कर देते हैं, लेकिन हमें यह नहीं पता होता कि हमारे सामने जो व्यक्ति है, वह उस विषय का जानकार या विशेषज्ञ भी हो सकता है। ऐसे में हमारी अधूरी जानकारी या गलत तथ्य हमारे सम्मान को कम कर सकते हैं और दूसरों के सामने हमारी छवि को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

लघु नाट्य 'नियम का फल' का हुआ मंचन

दादाबाड़ी में रविवार को प्रवचन के बाद सुबह 9.45 बजे से लघु नाट्य का मंचन हुआ, जिसका विषय 'नियम का फल' था। नाट्य के माध्यम से यह दिखाने का प्रयास किया गया कि नियमों का पालन करने से हमें क्या फल मिल सकता है। मंच में एक नास्तिक सेठ और उसकी धर्मप्रेमी पत्नी के जीवनी पर प्रकाश डाला गया। कहानी कुछ ऐसी थी कि सेठ का झुकाव केवल व्यापार की ओर और सेठानी केवल धर्म करती थी। अक्सर इस बात को लेकर दोनों में खटपट होती रहती थी। एक दिन सेठानी ने कहा कि कब तक ऐसे व्यापार करते रहोगे, एक दिन तो आपको धर्म करना ही पड़ेगा, यह कहकर सेठानी उन्हें साध्वी जी के पास ले जाती है और उन्हें एक छोटा नियम दिल देती है। नियम यह होता है कि सेठ हर दिन सुबह घर से निकलकर गौ माता का दर्शन करेंगे। एक दिन सेठ उठे, लेकिन उन्हें घर के आसपास कोई गाय नहीं दिखी, तो वे जंगलों की ओर निकल गए और अचानक से उनका पैर किसी चीज से टकराया। उन्होंने उसे उठाया तो वह पैसे थे और सेठ समझ गए कि यह उनके नियम का नतीजा है।

पंजाब बना चैंपियन, महाराष्ट्र को मिला दूसरा स्थान असम ने हासिल किया सर्वश्रेष्ठ अनुशासन का खिताब

रायपुर। इंडोर स्टेडियम में आयोजित नेशनल किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 का समापन रविवार को हुआ। चार दिवसीय इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर के 33 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से आए 1200 खिलाड़ियों और 300 अधिकारियों सहित कुल 1500 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को पदक और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस मौके पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल और रायपुर की महापौर मीनल चौबे भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। मुख्यमंत्री ने कहा, खेल हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। यह न केवल आत्मविश्वास और समर्पण की भावना को बढ़ाते हैं, बल्कि एक स्वस्थ समाज के निर्माण में भी योगदान देते हैं।

विजेता हुए सम्मानित

प्रतियोगिता की पदक तालिका में पंजाब (पंजाब किक बॉक्सिंग अकादमी) ने बाजी मारी। पंजाब के खिलाड़ियों ने 22 स्वर्ण, 18 रजत और 26 कांस्य पदक जीतकर कुल 66 पदक हासिल किए और प्रथम स्थान प्राप्त किया। महाराष्ट्र की टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 21 स्वर्ण, 16 रजत और 29 कांस्य पदकों के साथ कुल 66 पदक हासिल किए। स्वर्ण पदकों की संख्या में एक अंक की कमी के कारण महाराष्ट्र को द्वितीय स्थान से संतोष करना पड़ा। वहीं, तमिलनाडु की टीम ने भी अपना प्रभावशाली खेल जारी रखते हुए 12 स्वर्ण, 14 रजत और 15 कांस्य पदक प्राप्त किए, जिससे वह कुल 41 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रही।

मैक कॉलेज ऑडिटोरियम में रामकथा का हुआ समापन

जिस घर में बुजुर्गों का सम्मान नहीं वह लंका, जीवन में सरलता जरूरी

रायपुर। जिस घर-परिवार में बुजुर्गों का सम्मान नहीं होता और उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया जाता, तो समझ लो उस घर में रामचरित मानस के तहत सुंदरकांड नहीं, बल्कि लंका कांड शुरू होने वाला है। समता कॉलोनी स्थित मैक कॉलेज के ऑडिटोरियम में श्री रामकथा का भक्तों को रसपान कराते हुए रविवार को कथा के अंतिम दिन उक्त बातें संत शंभू शरण लाटा महाराज ने कही। आगे बताया कि मानस में वृद्ध रूप में जामवंत थे, जिनका सभी वानर और राजा भी सम्मान करते थे। जब माता सीता का पता लगाने के लिए लंका जाने की बात आई तो हनुमान ने जामवंत द्वारा कहे हुए वचनों पर ध्यान दिया और उनकी आज्ञा का पालन किया। अंतिम दिन श्रोताओं को राम कथा सुनाते हुए महाराज ने कहा कि यह मनुष्य जीवन की कथा है। मानव जीवन में हमें अहंकारी नहीं, बल्कि स्वयं को सरल बनाकर रखना सिखाता है। मानस में कई ऐसे पात्र हैं, जो खुद को सरल और सहज बनाकर रखते हुए आदर्श बने। स्वयं भगवान राम ने भी मनुष्य रूप धारण करके आए और लोगों को सरल, सहज भाव से रहने की प्रेरणा अपने जीवन प्रसंगों के माध्यम से दी। कथा के बाद रामकथा प्रचार समिति के कर्तव्य अग्रवाल और अरुण अग्रवाल ने बताया कि कथा का विश्राम होने के साथ ही सोमवार को नानी बाई का मायरा होगा। इसके कथा को महाराज द्वारा प्रसंगवत किया जाएगा।

आत्म शुद्धि और संकल्प को पूरा करने सावन में अभिषेक जरूरी

शिव का अभिषेक करने से आत्म शुद्धि होती है। अभिषेक जिन कामनाओं और संकल्पों के लिए किया जाता है, साधक को उसी कामना के लिए शिव का अभिषेक करना चाहिए। जल धारा महादेव को अत्यंत प्रिय है। बुखार की शांति के लिए जल धारा से अभिषेक करने का विधान है। घृत धारा से अभिषेक करने से वंश की वृद्धि और प्रमेह रोग शुगर के विनाश के लिए दूध की धारा से अभिषेक करना चाहिए। दूध, पानी में चीनी मिलाकर जब अभिषेक किया जाता है तो बुद्धि की जड़ता दूर होती है। साधक को श्रेष्ठ बुद्धि की प्राप्ति होती है। सरसों के तेल से अभिषेक करने से शत्रु का विनाश होता है। यह बात शंकराचार्य आश्रम बोरियाकला में जारी शिव पुराण कथा प्रसंग की श्रृंखला में आश्रम के प्रभारी दंडी स्वामी डॉ. इंदुभवानंद महाराज ने रविवार को श्रोताओं के बीच कही। दंडी स्वामी ने आगे बताया कि मधु से अभिषेक करने पर टीबी, तपेदिक रोग से निवृत्ति और पाप कम होता है। गाय के दूध से अभिषेक करने से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है। गन्ना रस की धारा से अभिषेक से पुत्र की प्राप्ति होती है। सावन में आत्म कल्याण के लिए भगवान शिव का अभिषेक जरूर करना चाहिए। महाराज ने बताया कि सावन में जिन कामनाओं और संकल्पों की पूर्ति के लिए साधक ने अभिषेक करने का संकल्प लिया है, उसकी पूर्ति के लिए अभिषेक करते समय स्वचित्त होकर मंत्रोच्चार तथा भगवान शिव का ध्यान करते हुए पूजा विधान को करने से उत्तम फलकारी होता है। कथा सुनने के लिए क्षेत्र के लोग भारी तादाद में मौजूद थे।

हेल्थ टिप्स

आयरन की कमी पर खास ध्यान दें महिलाएं, पूरा करने अपनाएं उपाय

महिलाओं के शरीर में आयरन, अहम भूमिका निभाता है। इसकी कमी से शरीर में कई गड़बड़ियां हो सकती हैं। इसका लेवल बढ़ाने में एक्सपर्ट के बताए ये टिप्स आपकी मदद कर सकते हैं। हमारे शरीर को हेल्दी रहने के लिए कई विटामिन्स और मिनरल्स की जरूरत होती है। आयरन एक आवश्यक मिनरल है, जो यूं तो सभी के लिए जरूरी होता है लेकिन खासकर महिलाओं के शरीर में इसका लेवल सही होना बहुत जरूरी है। लेकिन, ज्यादातर महिलाओं के शरीर में आयरन की कमी होती है और उन्हें खुद इस बात की जानकारी भी नहीं होती है। आयरन महिलाओं के लिए क्यों जरूरी है, इसकी कमी होने पर क्या होता है और किन 5 तरीकों से आप इसका लेवल बढ़ा सकती हैं, इस बारे में आयुर्वेदिक डॉक्टर से जानते हैं। यह जानकारी डॉक्टर दीक्षा भावसार दे रही हैं। डॉक्टर दीक्षा, आयुर्वेदिक प्रोडक्ट्स ब्रांड द कदंब ट्री की फाउंडर हैं।

महिलाओं के लिए क्यों जरूरी है आयरन की मौजूदगी?

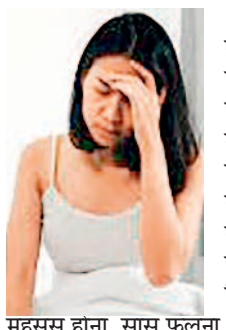

आयरन शरीर में हीमोग्लोबिन बनाने में मदद करता है, जो रक्त में ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है। इसकी कमी होने पर चक्कर आना, सिरदर्द, थकान महसूस हाना, सास फूलना, बाल झड़ना और कमजोरी जैसी लक्षणे हो सकती हैं। पीरियड्स और प्रेग्नेंसी समेत कई समय पर महिलाओं के शरीर में खून की कमी हो सकती है। शरीर में एनर्जी बनाए रखने और शरीर के फंक्शन्स को सही तरह से चलाने के लिए, आयरन लेवल सही होना बहुत जरूरी है। आयरन की कमी के लक्षणों में थकान, पीलापन, सांस लेने में तकलीफ, चक्कर आना, सिरदर्द, और नाखून का कमजोर होना शामिल हैं। कुछ लोगों को बर्फ या मिट्टी जैसे गैर-खाद्य पदार्थों की लालसा भी हो सकती है।

आयरन की कमी के कुछ सामान्य लक्षण

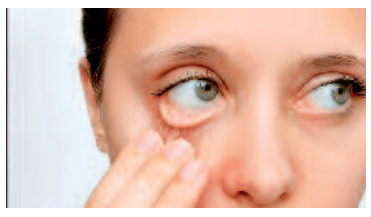

शरीर में आयरन की कमी से थकान और कमजोरी महसूस हो सकती है, क्योंकि शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है। त्वचा और मसूड़ों का रंग पीला हो सकता है, खासकर आंखों के नीचे। आयरन की कमी से सांस लेने में तकलीफ या सांस फूलना महसूस हो सकता है, खासकर व्यायाम करते समय। आयरन की कमी से चक्कर आना, सिरदर्द और हल्कापन महसूस हो सकता है। नाखून पतले और कमजोर हो सकते हैं, या चम्मच के आकार के हो सकते हैं। कुछ लोगों को बर्फ, मिट्टी, या कागज जैसे गैर-खाद्य पदार्थों की लालसा हो सकती है। आयरन की कमी से हाथ-पैर ठंडे महसूस हो सकते हैं। दिल की धड़कन तेज या अनियमित हो सकती है। मुंह के कोनों में छाले या जीभ में सूजन भी आयरन की कमी का संकेत हो सकता है। आयरन की कमी से ध्यान केंद्रित करने और सीखने में कठिनाई हो सकती है। यदि आपको इनमें से कोई भी लक्षण महसूस हो रहा है, तो डॉक्टर से परामर्श करना महत्वपूर्ण है। आयरन की कमी का निदान और उपचार किया जा सकता है।

शरीर में आयरन लेवल बढ़ाने में मदद कर सकते हैं ये 5 तरीके

आयरन रिच फूड्स जैसे पालक, मेथी और ड्रमस्टिक्स को डाइट में शामिल करें। भुने हुए काले तिल भी आयरन का अच्छा सोर्स होते हैं। इन्हें आप लड्डू और रोटी के आटे समेत कई चीजों का हिस्सा बना सकती हैं। गुड़ भी आयरन से भरपूर होता है। यह शरीर में खून की कमी दूर करता है और ताकत देता है। अंजीर, खजूर और किशमिश खाने से भी खून बढ़ता है। इसे आप गुनगुने दूध के साथ ले सकती है।हरी सब्जियों को पकाकर खाने की जगह कच्चा या सॉथे करके खाना ज्यादा फायदेमंद रहेगा। आयरन रिच फूड्स को विटामिन-सी फूड्स के साथ खाएं ताकि आयरन शरीर में अच्छे से अब्जॉर्ब हो सके। दाल, सब्जी और सलाद में नींबू का रस मिलाएं। आंवला का जूस पिएं। मील्स के साथ सिट्रस फ्रूड्स, टमाटर औरर अमरूद खाएं। मील्स के साथ चाय और कॉफी को अवॉइड करें। इससे आयरन के अब्जॉर्बशन में मुश्किल आती है। खाना बनाने के लिए, लोहे की कढाई का इस्तेमाल करें।डाइट में करी पत्ता, धनिया, अजवाइन और नेटल लीव्स जैसे आयुर्वेदिक हर्ब्स और मसालों को शामिल करें। इससे आयरन लेवल बढ़ता है। महिलाओं के शरीर में आयरन लेवल सही होना बहुत जरूरी है।

दिल पर आने वाली हर आपदा अटैक नहीं, हो सकती है हार्टबर्न भी, जानिए इनमें अंतर

नौजवानों को तेजी से अपनी चपेट में ले रही हार्ट बर्न की समस्या, हार्ट अटैक से मिलते-जुलते हैं इसके लक्षण

लोकप्रिय वेब सीरीज पंचायत में दामाद जी का किरदार निभाने वाले अभिनेता आसिफ खान की सेहत को लेकर पिछले कुछ दिनों से खूब चर्चा हो रही है। खबर आई थी कि आसिफ खान को हार्ट अटैक हुआ है। इसके अगले दिन सोशल मीडिया पर एक पोस्ट ने आसिफ ने लिखा, पिछले कुछ घंटों से मैं कुछ स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहा था जिसके लिए मुझे अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अब मैं ठीक हो रहा हूं और काफी बेहतर महसूस कर रहा हूं। मैं जल्द ही वापस आऊंगा, तब तक मुझे अपने विचारों में बनाए रखने के लिए आपका धन्यवाद। आसिफ ने बताया कि उन्हे हार्ट अटैक नहीं हुआ था, बल्कि वह हार्ट बर्न का शिकार हुए थे। चूंकि दोनों ही समस्याओं में लक्षण एक जैसे होते हैं ऐसे में इनकी पहचान कर पाना कठिन हो जाता है। आइए जानते हैं कि हार्ट अटैक और हार्ट बर्न में क्या अंतर होता है?

आसिफ ने दी सेहत को लेकर जानकारी

आसिफ ने कहा, ₹सबसे पहले, मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि मुझे दिल का दौरा नहीं पड़ा था। यह गैस्ट्रोइसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज (जीईआरडी) था। इसके लक्षण दिल के दौरे जैसे लग रहे थे, लेकिन अब मैं पूरी तरह से स्वस्थ हूं। उन्होंने बताया कि यह तकलीफ घंटों गाड़ी चलाने के बाद हुई। लंबी ड्राइव के बाद रात में सीने में दर्द हुआ और वे बाथरूम में बेहोश हो गए, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल जाना पड़ा। आइए जानते हैं कि हार्टबर्न और हार्ट अटैक में क्या अंतर होता है और इसकी पहचान कैसे की जाए?

हार्टबर्न की समस्या के बारे में जानिए

हार्टबर्न, सीने में जलन होने की समस्या है, ये पेट में बने एसिड के ग्रासनली में वापस आने के कारण होती है। यह गैस्ट्रोइसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज का एक सामान्य लक्षण है। वैसे तो ये समस्या अक्सर हल्के स्तर की होती है और सामान्य उपायों से ठीक भी हो जाती है, हालांकि कुछ मामलों में इसके कारण कई तरह की दिक्कतों का खतरा हो सकता है। हार्ट बर्न के कारण छाती में जलन होता है जो पेट के ऊपरी हिस्से को भी प्रभावित कर सकता है। आमतौर पर खाने के बाद, लेटते या झुकते समय ये दिक्कत अधिक होती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लाइफस्टाइल में गड़बड़ी, लंबे समय तक बैठे रहने या खान-पान में समस्या के कारण हार्टबर्न होता है। गंभीर स्तर के हार्ट बर्न की समस्या और हार्ट अटैक में अंतर करना मुश्किल हो सकता है।

मिलते-जुलते हैं लक्षण

डॉक्टर कहते हैं, हार्ट बर्न, एनजाइना और दिल का दौरा के लक्षण कई बार एक जैसे लग सकते हैं। अनुभवी डॉक्टर भी मेडिकल हिस्ट्री और शारीरिक जांच के बिना इसकी पहचान नहीं कर पाते हैं। हालांकि हार्टबर्न से इतर हार्ट अटैक की समस्या, दिल की धमनियों में जमाव और इसके कारण रक्त का प्रवाह बाधित होने के कारण होती है। हार्टबर्न की स्थिति में आमतौर पर सीने में जलन का एहसास होता है, क्योंकि यह पेट के एसिड के ग्रासनली में वापस जाने के कारण होता है। दूसरी ओर, दिल का दौरा पड़ने पर सीने में दबाव, जकड़न या दबाव जैसा महसूस हो सकता है। सीने में जलन की समस्या आमतौर पर खाने के तुरंत बाद या कुछ घंटों के भीतर होती है, वहीं हार्ट अटैक कभी भी हो सकता है।

हार्ट बर्न से कैसे बचाव करें?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हार्ट बर्न के खतरे से बचे रहने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। भोजन के दौरान ज्यादा पानी न पिएं, इससे आपकी ग्रासनली पर दबाव पड़ता है। लार का उत्पादन बढ़ाने के लिए च्युइंग गम चबाएं।

डायबिटीज के मरीजों को अपनी आंखों पर देना चाहिए खास ध्यान

जिन लोगों को शुगर लेवल अक्सर हाई रहता है, उनमें समय के साथ नसों, पाचन, हार्ट और आंखों से कम दिखने की दिक्कत होने लगती है। डायबिटीज की समस्या आपकी आंखों को कैसे प्रभावित करती है, इससे कारण अंधेपन का खतरा कैसे बढ़ जाता है, इस बारे में जानिए जरूर।

डायबिटीज या हाई ब्लड शुगर की समस्या दुनियाभर में तेजी से बढ़ती जा रही है। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी इसका शिकार हो रहे हैं। अध्ययनकर्ता कहते हैं, लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण डायबिटीज के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। इसके अलावा जिन लोगों के परिवार में पहले से किसी को ये दिक्कत रही है, उन्हें भी खतरा अधिक हो सकता है। डायबिटीज सिर्फ ब्लड शुगर बढ़े रहने की बीमारी नहीं है, इसका शरीर पर कई अन्य तरह से भी असर हो सकता है। जिन लोगों को शुगर लेवल अक्सर हाई रहता है, उनमें समय के साथ नसों, पाचन, हार्ट और आंखों से कम दिखने की दिक्कत होने लगती है। डायबिटीज की समस्या आपकी आंखों को कैसे प्रभावित करती है, इससे कारण अंधेपन का खतरा कैसे बढ़ जाता है, आइए इस बारे में आगे विस्तार से समझते हैं।

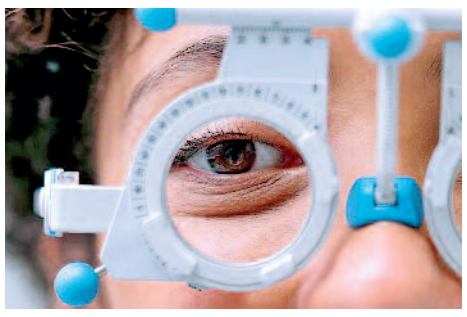

डायबिटिक आई डिजीज या रेटिनोपैथी

हमारी आंखें एक कैमरे की तरह हैं, जो हमें दुनिया को देखने में मदद करती हैं। लेकिन जब शरीर में शुगर का स्तर लंबे समय तक बढ़ा हुआ रहता है, तो यह स्थित आंखों की रोशनी को धीरे-धीरे धुंधला करने लग जाती है। इसे डायबिटिक आई डिजीज या डायबिटिक रेटिनोपैथी के नाम से जाना जाता है। ये आंखों से जुड़ी एक गंभीर स्थिति है, और अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए, तो अंधापन तक हो सकता है। अब सवाल ये है कि हाई शुगर की स्थिति आंखों को कैसे नुकसान पहुंचाती है? नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ समीर शुक्ला बताते हैं, डायबिटीज की समस्या शरीर में मौजूद रक्त वाहिकाओं (ब्लड वेसेल्स) को नुकसान पहुंचाने लगती है। आंखों में भी बेहद नाजुक रक्तवाहिकाएं होती हैं। रेटिना वाले हिस्से में मौजूद वाहिकाएं हाई शुगर के कारण प्रभावित होने लग जाती है। जिन लोगों का शुगर का लेवल अक्सर हाई रहता है, उनमें आंखों की रक्तवाहिकाओं में लीक होने या सूजन की दिक्कत देखी जाती है।

अध्ययनों से क्या पता चला?

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, डायबिटीज के कारण होने वाला अंधापन 20-65 वर्ष की उम्र के लोगों में सबसे प्रमुख कारणों में से एक है। हर तीन में से एक डायबिटिक व्यक्ति को किसी न किसी स्तर की रेटिनोपैथी की समस्या हो सकती है।वहीं लैंसेट डायबिटीज और एंड्रोक्रोनोलॉजी में प्रकाशित एक रिपोर्ट से पता चलता है कि लगातार 10 साल से अधिक समय से डायबिटीज से ग्रसित लोगों में आंखों की जटिलता की आशंका 60% तक बढ़ जाती है।

आंखों की इन दिक्कतों से कैसे बचें?

डॉक्टर कहते हैं, डायबिटीज के साथ जिनका ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल भी हाई रहता है उनमें आंखों की समस्या होने का जोखिम और अधिक हो सकता है। हाई शुगर सकी समस्या के साथ अगर आपको धुंधला दिखने लगे, आंखों के सामने छोटे-छोटे धब्बे नजर आ रहे हों, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें।

बरसात में रोशनी करते ही मंडराने लगते हैं कीड़े तो करें कुछ देसी उपाय

बरसात के मौसम में नमी के बाद दूसरी बड़ी समस्या बरसाती कीड़ों की होती है। अगर आपके भी किचन में शाम के वक्त ये कीड़े आकर आतंक मचाने लगते हैं, आपको इनसे छुटकारा पाने के कुछ देसी जुगाड़ अपनाना चाहिए। आप नीचे बताए जा रहे इन जुगाड़ को आसानी से घर में रखी चीजों की मदद से आजमा सकती हैं। इनको करने में मेहनत और पैसे दोनों बच जाएंगे।

लहसुन-तेजपत्ता का कमाल

इसके लिए आपको लहसुन की करीब 4-5 कलियां छील लेनी हैं। अब आप मसालदानी में रखे 3-4 तेजपत्ते भी लें। फिर आपको एक बड़ा मिट्टी का दिया लेना है। उसमें आप लहसुन की कलियां और तेजपत्ते के टुकड़ें तोड़कर रखें।

ऊपर से दो कपूर की गोलियां भी रख दें। अब इसमें आपको आग लगाकर बुझा देना है। कपूर, लहसुन और तेजपत्ते की तेज स्मेल से एक भी बरसाती कीड़ा आपकी किचन में भी आएगा। यह धुआं आपकी सेहत के लिए भी हानिकारक नहीं रहेगा।

नीम की पत्तियां

आपको गाय के गोबर का उपला लेना है। अब इसपर आपको ताजी नीम की पत्तियां लाकर रख देनी हैं। इसपर भी आप थोड़ी कपूर की गोलियां रख दें। ताकि यह आसानी से जल जाए। इसमें अब आप माचिस से आग लगा दें। इस धुएं को आप पूरे किचन में फैलने दें। थोड़ी देर बाद आप देखेंगी सभी बरसाती कीड़े मर गए होंगे और बाहर से भी अंदर प्रवेश नहीं करेंगे। किचन से बरसाती कीड़े भगाने के लिए किचन में नीम की पत्ती और गोबर के उपले का धुआं कर दें।इसके लिए अप एक बर्तन में चूने और हल्दी का पाउडर घोलकर उसको स्प्रे बोतल में भर लें और इसको किचन में छिडक दें।

सावन में शिवलिंग पर जरूर चढ़ाएं ये खास चीज

सावन में भगवान शिव की पूजा करने से अपनी कई सारी समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि आप सफेद चंदन को शिवलिंग पर चढ़ाएं।

सफेद चंदन को सावन में शिवलिंग पर क्यों चढ़ाएं?

सफेद चंदन बेहद पवित्र माना जाता है। इसकी शीतलता और शांति भगवान शिव को काफी पसंद होती है। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे भगवान शिव के तपस्वी रूप दर्शाता है। अगर आप सावन में शिवलिंग पर सफेद चंदन चढ़ाते हैं, तो इससे आपको आंतरिक शांति मिलती है। साथ ही, आपको मानसिक शांति मिलती है। इसलिए आप शिवलिंग पर सफेद चंदन को चढ़ाएं।

सफेद चंदन को शिवलिंग पर चढ़ाने से मिलेगी मन की शांति

आप भगवान शिव को अगर सफेद चंदन को चढ़ाते हैं, तो इससे पवित्रता बनी रहती है। इसलिए आपको इस लेप को बनाना है। इसके बाद शिवलिंग पर इसे लगाना है। इसके बाद इसी चंदन को आपको अपने शरीर पर लगाना है। इससे आपके मन और आत्मा की अशुद्धियां दूर होती है। साथ ही, नकारात्मकता ऊर्जा दूर होती है। इससे आपको भी अच्छा फल मिलेगा।

आर्थिक समस्याओं के लिए आप शिवलिंग पर चढ़ाएं

आप अगर आर्थिक समस्याओं से परेशान हैं, तो ऐसे में आप सफेद चंदन को सावन में शिवलिंग पर चढ़ाएं। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे धन आकर्षित होता है। साथ ही, आपके लिए नए मार्ग खुलते नजर आते हैं। इसलिए आप भगवान शिव को सफेद चंदन का लेप लगाएं। इसे आप रोजाना जाकर शिवलिंग पर लगाएं। इससे आपके व्यवसाय या काम में बरकत आती है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

लाइव परफॉर्मेंस के दौरान गिरते-गिरते बचीं सिंगर, हादसे का वीडियो वायरल

अमेरिकी पॉप सिंगर कैटी पेरी का हालिया परफॉर्मेंस उनके लिए किसी डरावने अनुभव से कम नहीं रहा। कॉन्सर्ट के दौरान वो लगभग परफॉर्म करते-करते गिरने वाली थीं, गनीमत रही कि उन्होंने खुद को संभाल लिया और बड़ा हादसा होने से टल गया। सैन फ्रांसिस्को में चल रहे 'लाइफटाइम्स टूर' के दौरान सिंगर एक विशाल तितली के आकार वाले प्रॉप पर बैठकर अपनी हिट सॉन्ग रॉर परफॉर्म कर रही थीं, तभी अचानक उसी प्रॉप में तकनीकी खराबी हो गई। प्रॉप हवा में झूल रहा था, तभी वो अपना बैलेंस खो बैठा और कैटी लगभग नीचे गिरने वाली थीं। लेकिन, कैटी ने अपने आप को शांत रखते हुए अपना गाना नहीं छोड़ा। सिंगर के इसी प्रोफेशनलिज्म की फैंस तारीफ कर रहे हैं।

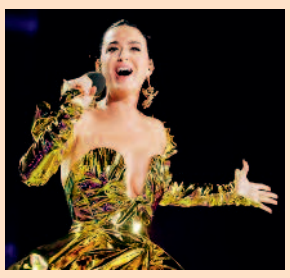

इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो को देखने के बाद जहां फैंस सिंगर की हेल्थ को लेकर चिंता में आ गए। वहीं फैंस उनके जज्बे और प्रोफेनलनिज्म की भी तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'कैटी ने दिखा दिया कि असली कलाकार कभी नहीं रुकता।' वहीं एक दूसरे यूजर ने कहा, 'स्टेज पर गिरने के बावजूद उन्होंने गाना जारी रखा, ऐसे प्रोफेशनल्स को सलाम।' हालांकि, कुछ लोगों ने वीडियो को देखते हुए ये सलाह भी दी कि अब समय आ गया है जब कलाकारों को स्टेज पर ही रहने की जरूरत है। एक कमेंट में लिखा गया, 'पहले बेयोंसे, अब केटी पेरी। लगता है कि पॉप स्टार्स को अब स्टेज पर ही रहना चाहिए।' इस हादसे से कुछ समय पहले ही कैटी पेरी और अभिनेता ऑरलैंडो ब्लूम के रिश्ते में दरार की खबरें सामने आई थीं। दोनों ने लगभग नौ साल के रिलेशनशिप के बाद हाल ही में अपने ब्रेकअप की पुष्टि की थी।

टॉलीवुड

एक्ट्रेस रान्या को सोने की तस्करी के आरोप में जेल, जमानत भी नहीं मिली

साउथ की एक एक्ट्रेस रान्या राव को एक साल की सजा हुई। एक्ट्रेस को सोने की तस्करी से जुडे. मामले में यह सजा हुई। विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी गतिविधि रोकथाम अधिनियम मामले को देख रहे सलाहकार बोर्ड ने हाल ही में फैसला सुनाया कि रान्या राव को हिरासत की समय सीमा के दौरान जमानत भी नहीं दी जाएगी।

डीआरआई जब तय समय सीमा के भीतर आरोप पत्र दाखिल नहीं कर सकी तो रान्या राव को 20 मई को कोर्ट ने उनके सह-आरोपी तरुण राजू के साथ डिफॉल्ट बेल यानी जमानत दे दी थी। 2 लाख रुपये के बॉन्ड और जमानत शर्तों पर बेल मिलने के बावजूद रान्या और तरुण हिरासत में ही रहे। दरअसल, यह कानून तस्करी के शक के आधार पर बिना किसी औपचारिक आरोप के भी एक साल तक की हिरासत की परमिशन देता है। इस साल मार्च महीने में रान्या राव दुबई से आई थीं और केंपेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के ग्रीन चैनल से गुजरने की कोशिश कर रही थीं। यह जगह आमतौर पर ड्यूटीएबल सामान वाले यात्रियों के लिए होती है। डीआरआई ऑफिसर ने रान्या से पूछा कि उनके पास कुछ अनडिक्लेयर सामान है। इस पर वह टेंशन में आ गईं। तलाशी के बाद एक्ट्रेस के पास लगभग 12.56 करोड़ रुपये की लागत का कुल 14.2 किलोग्राम सोना बरामद हुआ। इसके बाद रान्या को हिरासत में ले लिया गया। रान्या की पहले की जमानत याचिका दो बार लोकल कोर्ट और बाद में कर्नाटक हाई कोर्ट ने खारिज कर दी गई थी।

भोजपुरी

सावन में खेसारी के कांवड़ गीत ने काटा गदर, हो रहा ट्रेंड

खेसारी लाल यादव ने सावन 2025 में कांवड़ स्पेशल गीत रिलीज किया है, जो यूट्यूब पर छाया हुआ है। भोजपुरी कांवड़ गीत 'दुनिया के बॉस' को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं, और इसे 54 लाख से भी ज्यादा बार देखा जा चुका है। खेसारी लाल यादव के इस कांवड़ गीत के बोल हैं 'पूरा दुनिया के बॉस', जिसे खबर लिखे जाने तक यूट्यूब पर 54 लाख से भी ज्यादा बार देखा जा चुका है। इस गाने को 14 जुलाई को यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया। साथ में लिखा है, 'आ गइल बा धमाका लेके! अब हर कोना बोलेगा–ई बा असली बॉस। सुनीं, शेयर करीं आ मजा लूटीं! भोजपुरी के फैंस गाने को देखकर ताबड़तोड़ कमेंट्स कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा है, 'छा गए गुरु, जय शिव।' एक और कमेंट है, 'इस सावन में आग लगा दो भाई।' एक ने लिखा, 'जियो शेर, हिट है बॉस।' एक बोला, 'खेसारी भोजपुरी के बॉस।' एक का कमेंट है, 'घर का खाना और खेसारी का गाना, सीधे दिल पर लगता है बॉस।'

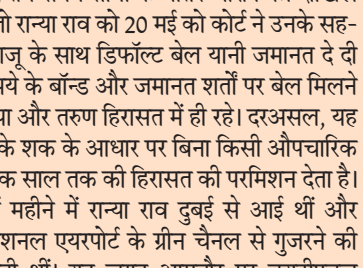

'दुनिया के बॉस' को खेसारी लाल यादव और राज नंदिनी सिंह ने गाया है। इसके लिरिक्स कृष्ण बेदर्दी ने लिखे हैं, और म्यूजिक आर्य शर्मा ने दिया है। इस गाने में खेसारी लाल यादव, भगवान शिव के भक्त बने हैं और बता रहे हैं कि कैसे वह दुनिया के बॉस हैं, और उनके आगे किसी की नहीं चलती। खेसारी ने अपना एक और भोजपुरी गाना रिलीज किया 'ड्राइवर अभी नया बा', और वह भी यूट्यूब पर छाया हुआ है।

“ बागों की बहार न्यूयार्क फैशन वीक के दौरान डिजाइनरों को खूब लुभा रही है। क्रिएटिव डायरेक्टर स्टेसी बेंडेट ने इन कलेक्शन को खूब सराहा। हालांकि मॉडल के लिए यह एक सामान्य ड्रेस ही है लेकिन इनमें फूलों की छाप कुछ अलग नजारा पेश कर रही है। जाहिर है तारीफ तो मिलनी ही थी।

हाथों पर नहीं रचती है मेहंदी तो आजमाएं ये नुस्खे

सावन का महीना चल रहा है, जिसमें महिलाएं पूजा के समय 16 श्रृंगार करती हैं। महिलाओं के 16 श्रृंगार में मेहंदी का अपना अलग योगदान है। इसी के चलते भगवान शिव को समर्पित इस महीने में महिलाएं हाथों पर खूबसूरत सी खूबसूरत मेहंदी की डिजाइन लगाती हैं।

बारिश के मौसम में बहुत सी महिलाएं इस बात से परेशान रहती हैं, कि उनके हाथों पर मेहंदी का रंग नहीं चढ़ता है। ऐसे में हम आपको कुछ ऐसे नुस्खे बताने जा रहे हैं, जिनको ट्राई करने के बाद आपकी मेहंदी का रंग एकदम चटक आएगा। खास बात ये है कि इन नुस्खों को ट्राई करने के लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मेहंदी का एकदम काला-गाढ़ा रंग चाहिए तो नींबू का रस और चीनी का मिश्रण इसमें आपकी मदद करेगा। इसके इस्तेमाल के लिए सबसे पहले एक कटोरी में नींबू का रस निचोड़ लें और फिर इसमें थोड़ी सी चीनी डालकर उसका घोल तैयार करें।

पहला नुस्खा

जब हाथों की मेहंदी सूख जाए तो रुई की मदद से इस घोल को मेहंदी पर अप्लाई करें। ध्यान रखें इसे गलती से भी गीली मेहंदी पर अप्लाई न करें, वरना आपकी मेहंदी खराब हो सकती है। ये नुस्खा आपकी मेहंदी के रंग को गहरा कर देगा।

हर घर में सरसों का तेल अवश्य रूप से ही पाया जाता है। ऐसे में आप इसकी मदद से भी अपनी मेहंदी को काला कर सकती हैं। इसके लिए जब मेहंदी पूरी तरह से सूख जाए, यानी कि जब इसे हटाने का समय हो तो मेहंदी को हटाकर अपने हाथों पर सरसों का तेल अप्लाई करें।

दूसरा नुस्खा

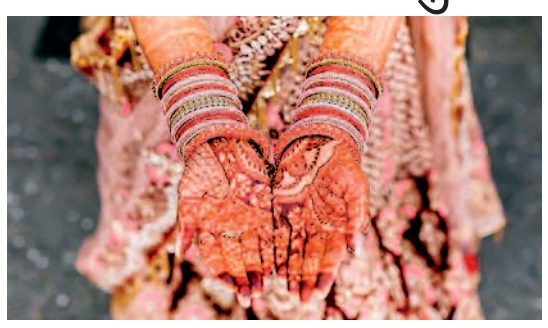

इसका फायदा तभी है, जब मेहंदी का रंग हल्का-हल्का आना शुरू हो जाए। सरसों का तेल अप्लाई करने के बाद हाथों को कुछ घंटे पानी से दूर रखें, ताकि इसका ज्यादा से ज्यादा असर आपकी मेहंदी पर हो सके।

तीसरा नुस्खा

मेहंदी का रंग गाढ़ा और गहरा करना है तो लौंग की भाप भी आपके काम आएगी। इसके लिए सबसे पहले तो एक तवे को गैस पर रखकर गर्म करें। अब इसपर 7-8 लौंग रखकर उसे भूनें। जब इसमें से तेज धुआं आने लगे तो इस भाप से अपनी मेहंदी को सेकें।

भाप लेते समय हाथ को एकदम से तवे के ऊपर न करें, इससे हाथ पर छाला भी पड़ सकता है। लौंग की भाप लेते समय सावधानी बरतें, ताकि आपका हाथ भी सुरक्षित रहे।

ट्रेडिशनल लुक पाने मॉडर्न साड़ियों को ऐसे करें स्टाइल, निखरेगा रूप

सावन के महीने में आने वाली शिवरात्रि का पर्व बेहद खास होता है। इस शुभ अवसर पर महिलाएं व्रत रखती हैं और सोलह श्रृंगार भी करती हैं। पारंपरिक रूप से इस पर्व पर साड़ी स्टाइल करना शुभ माना जाता है, और साड़ी का फैशन तो एवरग्रीन है ही। अगर आप भी शिवरात्रि पर साड़ी पहनने की सोच रही हैं, तो आपको एक बेहतरीन साड़ी चुनने में मदद मिलेगी। आपके लिए यहां कुछ लेटेस्ट डिजाइन वाली मॉडर्न साड़ियों के साथ उन्हें स्टाइल करने की टिप्स भी । ये साड़ियां न्यू और खूबसूरत लुक पाने के लिए बेस्ट है, और इनमें आपका लुक बेहद सुंदर और सबसे अलग नजर आएगा।

प्रिंटेड साड़ी

न्यू और ट्रेडिशनल लुक पाने के लिए आप इस तरह की प्रिंटेड साड़ी का चुनाव कर सकती हैं। यह साड़ी आप शिवरात्रि पर होने वाली किसी पूजा के दौरान, या घर में हो रही पूजा के लिए भी स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी में आपका लुक बेहद खूबसूरत और अलग नजर आएगा। ये साड़ियां आपको ऑनलाइन के साथ-साथ बाजार में भी कई सारे डिजाइन ऑप्शन के साथ मिल सकती हैं। इस साड़ी के साथ आप पर्ल या स्टोन वर्क वाले इयररिंग्स पहन सकती हैं।

स्टोन वर्क साड़ी

शिवरात्रि पर एक मॉडर्न ट्रेडिशनल लुक पाने के लिए आप स्टोन वर्क वाली साड़ी पहन सकती हैं। यह साड़ी आपके लुक को एक स्पेशल टच देगी और इसमें आपका लुक बेहद खूबसूरत व सबसे अलग नजर आएगा। इस तरह की साड़ियां आपको कई सारे कलर ऑप्शन में ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों ही जगहों पर मिल सकती हैं।इस साड़ी के साथ स्टाइलिश लुक पाने के लिए आप मिरर वर्क ज्वेलरी का चुनाव कर सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंट साड़ी

भीड़ से अलग और खूबसूरत लुक पाने के लिए आप फ्लोरल प्रिंट साड़ी का चुनाव भी कर सकती हैं। यह साड़ी आपकी सुंदरता को बढ़ा देगी। इस तरह की साड़ी सावन के मौके पर आपके लुक को न्यू और फ्रेश टच देगी। इसे आप कई सारे रंग और डिजाइन ऑप्शन के साथ पहन सकती हैं।

ग्रीन टी और बादाम तेल से बनाएं आई सीरम

अगर आप पफी आंखों के साथ-साथ डार्क सर्कल की समस्या से परेशान हैं तो ऐसे में आप ग्रीन टी और बादाम तेल की मदद से आई सीरम बना सकती हैं।

डार्क सर्कल के लिए होममेड आई सीरम कैसे बनाएं

सबसे पहले दो बड़े चम्मच पानी उबाल लें और उसमें ग्रीन टी बैग डालकर 10 मिनट तक रख दें। अब इसे पूरी तरह ठंडा होने दें। अब एक छोटे बाउल में एक चम्मच बादाम तेल डालें। इसमें विटामिन ई कैप्सूल काटकर तेल में निचोड़ लें। अब इसमें एलोवेरा जेल डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। इसमें ठंडी हुई ग्रीन टी धीरे-धीरे डालें और अच्छी तरह मिलाएं ताकि एकदम सीरम जैसा बन जाए। अब इसे किसी साफ डिब्बी में भरकर फ्रिज में रख लें। आप इसे 7-10 दिन तक आराम से इस्तेमाल कर सकती हैं। होममेड सीरम को इस्तेमाल करने के लिए सबसे पहले चेहरा धोकर साफ कर लें। उंगली से थोड़ा सा सीरम लेकर आंखों के नीचे हल्के हाथों से थपथपा कर लगाएं। ध्यान दें कि आपको इसे रगड़ना नहीं है। इसे रिंग फिंगर से लगाना बेस्ट होता है क्योंकि उसका प्रेशर बहुत हल्का होता है।इसे रातभर लगाकर यूं ही छोड़ दें। इस होममेड सीरम से क्या फायदे मिलते हैं? इस होममेड सीरम में मौजूद ग्रीन टी के एंटीऑक्सीडेंट्स और टैनिन्स आंखों के नीचे सूजन कम करते हैं। इससे पफीनेस कम होती है। समय के साथ डार्क सर्कल्स भी कम होते हैं। बादाम तेल में पाए जाने वाला विटामिन ई स्किन को पोषण देने के साथ-साथ रंगत निखारता है। विटामिन ई डैमेज स्किन को रिपेयर करने के साथ-साथ डार्क स्पॉट्स को हल्का करता है। सीरम में मौजूद एलोवेरा जेल स्किन को ठंडक देता है और आंखों की थकान को कम करता है।

कॉम्बिनेशन स्किन वाली महिलाओं को निखार के लिए फॉलो करना चाहिए यह स्किन केयर रूटीन

कॉम्बिनेशन स्किन का खास और अलग तरह से ध्यान रखा जाता है। कॉम्बिनेशन स्किन का मतलब ड्राई और ऑयली स्किन से है। आपने भी कभी न कभी यह महसूस किया होगा कि आपकी स्किन कहीं ड्राई है तो कहीं ऑयली, ऐसे में आपको अपनी त्वचा का ज्यादा खयाल रखना चाहिए। आज इस आर्टिकल में हम आपको स्किन केयर रूटीन के बारे में बताएंगे जिसे फॉलो करना जरूरी है।

क्लींज करें

चेहरे को साफ रखना बेहद जरूरी है। खासतौर पर कॉम्बिनेशन स्किन वाली महिलाओं को त्वचा को क्लींज करना चाहिए। इससे स्किन में मौजूद गंदगी और धूल साफ हो जाती है। इसके लिए आप माइल्ड क्लींजर का उपयोग कर सकती हैं। आप चाहें तो नेचुरल चीजों से भी फेस को क्लीन कर सकती हैं।

टोनर का इस्तेमाल

क्लींजर से केवल त्वचा में मौजूद गंदगी साफ होती है। इसलिए आपको एक्सट्रा ऑयल को रिमूव करने के लिए टोनर का उपयोग करना चाहिए। त्वचा का पीएच लेवल भी बैलेंस होना चाहिए। अन्यथा स्किन डैमेज हो सकती है। इसके लिए भी टोनर बेहद फायदेमंद होता है। इस बात का ध्यान रखें कि त्वचा पर केवल अल्कोहल-फ्री टोनर का ही उपयोग करें।

सीरम लगाएं

त्वचा के लिए सीरम कई तरह से फायदेमंद होता है। यही कारण है कि आजकल ज्यादातर महिलाएं इसे अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करती हैं। सीरम लगाने से स्किन हाइड्रेट रहती है। यह आपकी त्वचा को हानिकारक तत्वों से भी बचाने का काम करता है। कॉम्बिनेशन स्किन वाली महिलाओं को हयालूरोनिक एसिड वाले सीरम का उपयोग करना चाहिए। इससे उनकी त्वचा को फायदा होगा। स्किन वाली महिलाओं को मॉइश्चराइजर की खास जरूरत होती है, लेकिन केवल एक ही मॉइश्चराइजर से काम नहीं चलेगा।

कार्नर न्यूज

आज पुरुषों के लिए ढेरों फैशनेबल एसेसरीज मार्केट में उपलब्ध

मेंस फैशन में परफेक्ट लुक के लिए एसेसरीज पहनने अपनाएं खास तरीके, बन जाएंगे महफिल की रौनक

पुरुष भी कपड़ों के साथ एसेसरीज के कलेक्शन से अपने लुक को संवारने की पूरी कोशिश करते हैं। जब ऐसा है तो यह जरूरी है कि एसेसरीज पहनने और इससे जुड़े टिप्स जान लिए जाएं, ताकि आप खुद का बेस्ट लुक देख पाएं। आप इस तरह खुद को आत्मविश्वास से लबरेज पाएंगे और अपने लुक को लेकर भी 'नो टेंशन' फील करेंगे। इसलिए आपके पास जितनी भी एसेसरीज हैं, उनको अब इन टिप्स के साथ पहनना आपके काम आने वाला है। एसेसरीज के बेस्ट लुक के लिए कौन से टिप्स हैं जरूरी, जानने से पहले इंटरनेट पर एसेसरीज पहनने से जुड़ी कई सर्च की जाती हैं, पहले इनको जान लीजिए।

कम में ज्यादा का मजा

एसेसरीज आपके कपड़ों का लुक बेहतर करने का एक साधन है। लेकिन अच्छे लुक के लिए एसेसरीज ज्यादा होना नहीं बल्कि इनका सही चुनाव जरूरी होता है। दरअसल कई लोग एसेसरीज अच्छी लगते ही इन्हें इतना ज्यादा पहन लेते हैं कि सबकुछ ज्यादा-

ज्यादा लगने लगता है।

कई पुरुष तो हाथों में अंगूठी ही बहुत सारी पहन लेते हैं। जबकि एसेसरीज के साथ सिंपल और सोबर वाला लुक आना चाहिए। इसलिए कम से कम में ज्यादा से ज्यादा अच्छा लुक पाने के लिए एसेसरीज कम पर अच्छी पहनें।

मौके के हिसाब से एसेसरीज

ज्यादातर बार पुरुष एसेसरीज ऐसी खरीदते हैं जो हर मौके पर चल जाए। लेकिन ये सही नहीं है आपको अलग मौकों के हिसाब से अलग एसेसरीज पहननी होती है। तब ही इसका लुक अच्छा आता है। जैसे फंकी लुक वाली घड़ी फॉर्मल कपड़ों पर बिल्कुल अच्छी नहीं लगती है।

कपड़ों का रंग, एसेसरीज का रंग

एसेसरीज पहनने के लिए आपको कपड़ों के रंग पर भी ध्यान देना होगा। आपको कपड़ों के रंग के हिसाब से एसेसरीज का रंग भी चुनना होगा। इसके लिए जरूरी है कि आप कलर स्कीम को समझ लीजिए।

जैसे आप गोल्ड एसेसरीज को जींस के साथ नहीं पहन सकते हैं। या फॉर्मल सूट के साथ चमकते रंग वाला चश्मा बिल्कुल भी नहीं पहना जा सकता है। आपको रंगों को थोड़ा आपस में मैच करना होगा जैसे बेल्ट, टाई और घड़ी की स्ट्रेप का कलर एक जैसा होना चाहिए।

चंकी ज्वेलरी की मैचिंग

पुरुषों के लिए भी कई तरह की चंकी ज्वेलरी बाजार में मौजूद है। लेकिन इनको पहनने के लिए खास तरह के कपड़ों की जरूरत होती है। और ये हर ड्रेस के साथ मैच बिल्कुल नहीं होते हैं। फॉर्मल कपड़ों के साथ तो बिल्कुल भी नहीं। मेन्स फैशन में ज्वेलरी की भारी डिमांड रहती है।

सिल्वर ज्वेलरी ट्रेंड

सिल्वर ज्वेलरी का ट्रेंड पुरुषों के मामले में अक्सर सही रहता है। पुरुष इनको पसंद भी खूब करते हैं। सिल्वर रंग किसी तरह की कलर स्कीम का हिस्सा नहीं है लेकिन ये बात भी सही है कि किसी भी कलर के साथ ऑड (odd) भी नहीं लगता है। सिल्वर ज्वेलरी को काले और डार्क ग्रे कलर के साथ पहनकर टाइमलेस लुक पाया जा सकता है। गर्मी में आप हल्के रंगों के साथ भी इसे आसानी से पहन सकते हैं।

स्टोन ज्वेलरी हो कितनी

स्टोन ज्वेलरी अगर आप पहनते हैं तो इसको भी कितना पहनना है, इस पर ध्यान देना होगा। दरअसल बहुत ज्यादा स्टोन ज्वेलरी लुक बिगाड़ देती है। हाथ में एक स्टोन की अंगूठी या फिर एक कान में स्टोन वाला इयररिंग ही काफी होता है। इसके अलावा कोई और स्टोन ज्वेलरी न ही पहने तो अच्छा है।